भाई जी शांति व सद्भावना सन्देश साइकिल यात्रा (बिहार)

शांति व सद्भावना यात्रा

लेखक और सम्पादक

अनिल कुमार गुप्ता

भाई जी डा. एस. एन. सुब्बराव शांति व सद्भावना सन्देश साइकिल यात्रा

अक्तूबर 2 से 25 , 2023 पश्चिम चंपारण से पटना, बिहार

(भाई जी के संदेशों के प्रचार-प्रसार के लिए युवाओं के संकल्प के अभियान पर रिपोर्ट)

लेखक और संपादक :

- अनिल कुमार गुप्ता

सहयोग और मार्गदर्शन:

- अशोक भारत
- रन सिंह परमार

छाया चित्र : साइकिल यात्री गण

प्रकाशक:

राष्ट्रीय युवा योजना

(पंजीकृत कार्यालय-221, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नयी दिल्ली-110002)

फ्लैट न. डी-5, तीसरी मजिल, केशवकुंज, आदर्श एन्क्लेव (केनरा बैंक के पीछे)

दिल्ली - 110084, मोबाइल- 993592425 ई-मेल: nypinida@gmail.com

वेबसाईट- www.nyp.india.org

आभार

डा. एस. एन. सुब्बराव जी जैसे **संत** के राष्ट्रीय एकता, सद्भावना, भाईचारा, अहिंसा, प्रेम और बधुत्व के **सन्देश** को व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार के लिए नवजवान अपने दृढ **संकल्प** और अदम्य **साहस** से लाखों लोगों तक यात्रा, शिविर , सम्मलेन, संगोष्ठी और श्रमदान कार्यक्रम के माध्यम से लेकर जा रहे है. इस श्रृंखला में **भाई जी डा. एस. एन. सुब्बाराव शांति व सद्भावना सन्देश साइकिल यात्रा** का बिहार में जन भागीदारी से आयोजन महत्वपूर्ण रहा. साइकिल यात्रा के बाद राष्ट्रीय शिविर भी हुआ.

यह यात्रा सिर्फ एक यात्रा नहीं थी, बल्कि एक परिवर्तनकारी अनुभव भी था, जो महात्मा गांधी और डा. एस.एन. सुबाराव भाई जी द्वारा प्रतिपादित शांति, सद्भाव और भाईचारे के सिद्धांतों से गहराई से मेल खाती थी. बिहार के विविध परिदृश्यों में प्रेम और एकता के इन शाश्वत संदेशों को फैलाने के सामूहिक प्रयास का बेहतरीन उदारहरण थी.

पूरी यात्रा के दौरान, यात्रियों ने समुदायों के बीच आपसी सम्मान और सहयोग को बढ़ावा देने में संवाद और समझ की शक्ति को प्रत्यक्ष रूप से देखा और अनुभव किया, जिसको अपने अनुभवों में साथियों ने लिखा है. प्रतिभागियों और स्थानीय निवासियों के साथ बातचीत ने मेरे दृष्टिकोण को समृद्ध किया और विविधता को अपनाने और हमारे समाज में समावेशिता को बढ़ावा देने के महत्व को मजबूत किया.

मैं ऐसे सार्थक और प्रभावशाली आयोजन में नवजवानों के समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए आयोजन समिति के सदस्यों, यात्रियों, अलग अलग जगहों पर नास्ते, भोजन और आवास की सुविधाप्रदाताओं और साइकिल के लिए सहयोग करने वाले लोगों, संस्थाओं और संगठनों की हार्दिक सराहना करना चाहता हूं. यात्रा के संयोजक श्री अशोक भारत जी के अटूट उत्साह ने यात्रा की सफलता सुनिश्चित की, सभी को ह्रदय से आभार.

राष्ट्रीय युवा योजना की ओर से सभी को एक बार फिर धन्यवाद. राष्ट्रीय युवा योजना देश और दुनिया में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भविष्य के प्रयासों में योगदान देने के लिए सदैव तत्पर रहेगा.

शुभकामनाओं सहित,

रन सिंह परमार

संस्थापक ट्रस्टी सचिव

राष्ट्रीय युवा योजना

विषय सूची

अध्याय	पेज क्रमांक
1- स्व. एस. एन. सुब्ब राव भाई जी	5
2- यात्रा का उद्देश्य , मार्ग	11
3- शांति सन्देश के लिए युवाओं का संकल्प	13
4- भाई जी के विचारों से ही नए भारत का निर्माण संभव	23
5- यात्रा एक दिव्य उपहार	24
6- जन-जन तक शांति व सदभावना का संदेश	25
7- असुविधा मे सुविधा को पाना - एक अलग ही मजा	26
8- युवा पीढ़ी के प्रकाश स्तम्भ और बिहार	28
9- साइकिल यात्रा की रोचक कहानियां	30
10- कठिन रास्ते लेकिन हौसले बुलंद	31
11- सद्भावना का सन्देश और सम्मान	33
12- मां जानकी की पूजन के पूर्व गांधी जी की पूजा	35
13- धैर्य और साहस की सीख	36
14- सायकिल यात्री	37
15- यात्रा की तैयारी	38
16- यात्रा मार्ग और पड़ाव	43
17- राष्ट्रीय शांति एवं सद्भावना शिविर	45
18- राष्ट्रीय युवा योजना	54
19- सायकिल यात्रा के दानदाताओं की सूची	59

1.स्व.एस.एन. सुब्ब राव (भाई जी)

संक्षिप्त जीवन परिचय

स्व.एस.एन. सुब्बराव (सेलम नांजूड्यया सुब्बराव) जिन्हें प्यार से देश दुनिया के लोग भाई जी कहकर संबोधित करते हैं. इनका जन्म सात फरवरी 1929 को कर्नाटक के बैंगलुरू के पास सेलम में हुआ. स्कूली शिक्षा के दौरान ही भाई जी ने महात्मा गांधी के सिद्दांतो से प्रभावित होकर उनके बताए मार्ग पर चलना शुरू कर दिए. सुब्बराव जी ने बाल्यावस्था 13 वर्ष की उम्र में ही आजादी के आंदोलन "अंग्रेजों भारत छोड़ो" से जुड़ गये और उन्हें सड़कों व दीवालों पर नारा लिखने के आरोप में ब्रिटिश पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, कम उम्र होने के कारण उस बच्चे सुब्बराव को समझाबुझाकर छोड़ दिया गया . सुब्बाराव जी के पिता एक ख्यातिनाम और प्रतिष्ठित वकील थे. उनके पिता की हार्दिक इच्छा थी कि उनका कोई लड़का वकील बने. छह भाईयों और दो बहनों में सिर्फ सुब्बाराव जी ने वकालत की पढ़ाई की . उनकी इच्छा थी कि कानून की पढ़ाई पूरी करने के बाद वे वकालत के साथ-साथ लोक सेवा का काम करें. लेकिन छात्र जीवन में ही वे कांग्रेस सेवा दल के संस्थापक एन. एस. हार्डीकर के संपर्क में आ गए और वकालत की शिक्षा लेने के बाद राष्ट्र सेवा दल संगठन का काम करना शुरू कर दिया जो बाद में कांग्रेस सेवा दल हो गया था.

राष्ट्र सेवा दल से जुड़े युवा एस.एन. सुब्ब राव जी

सुब्बराव जी 1943 से 1969 तक राष्ट्र सेवा और कांग्रेस सेवा दल के माध्यम से देश के युवाओं को राष्ट्र प्रेम, राष्ट्रीय एकता, युवा नेतृत्व, भारतीय संस्कृति के प्रति युवाओं को शिविरों के माध्यम से वृहद स्तर पर संस्कार देने के काम में जुटे रहे. राष्ट्र भक्ति, सूफी गीत और समाज परिवर्तन के उनके गीत गाने का अंदाज और आवाज का जादू नवजवानों के मन पर अमिट छाप छोड़ जाती.

चम्बल के बागचीनी में युवा शिविर के दौरान भाई जी

एक शिविर के दौरान ही जौरा के बागचीनी क्षेत्र के युवाओं ने चम्बल की बागी समस्याओं के बारे में भाई जी को शिविर के दौरान बतायी, तब भाई जी इस समस्या को चुनौती के रूप में स्वीकारते हुए चम्बल क्षेत्र में पहली बार आये. कांग्रेस के विभाजन के बाद भाई जी ने किसी भी दल में जाने से मना कर दिया. महात्मा गांधी जी की जन्मशताब्दी वर्ष 1969 में गांधी जी के विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए चलायी गयी "गांधी दर्शन ट्रेन" का निर्देशन किया और उस यात्रा में मिली सहयोग राशि से चम्बल घाटी में बागी समस्या के समाधान के लिए महात्मा गांधी सेवा आश्रम की स्थापना की.

सुब्बाराव जी को पूरा देश भाई जी के नाम से सम्बोधित करता है. 60-70 की दशक में चम्बल घाटी में बागी आत्मसमर्पण और उनके पुनर्वास के लिए काम किया और कालांतर में राष्ट्रीय युवा योजना निर्माण कर लाखों नवजवानों को समाजिक कार्य के लिए प्रेरित किया. भाई जी गांधी शांति प्रतिष्ठान नयी दिल्ली के आजीवन सदस्य रहे और इन्होने राष्ट्रीय युवा योजना की स्थापना की. उन्होंने मास्को, अफ्रीका, अमेरिका, जर्मनी और कनाडा सहित कई अन्य देशों तथा संयुक्त राष्ट्र में शांति और सद्भावना से जुड़े अन्तराष्ट्रीय सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया.

27 अक्टूबर 2021 को भाई जी का महापरिनिर्वाण हो गया. 92 वर्ष की उम्र तक वे देश की एकता, अखंडता, शांति और सद्भावना के लिए कार्य करते रहे. इनकी समाधि स्थल चम्बल घाटी के मुरैना जिले में जौरा में स्थित है यहाँ पर इनके जीवन से जुड़े कार्यो पर आधारित प्रदर्शनी भी है. जहाँ देश और दुनिया से लोग आकर प्रेरणा लेते है.

भारत के प्रथम प्रधान मंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु के साथ डा. एस. एन. सुब्ब राव (भाई जी) मार्च करते हुए

शांति स्थापना के लिए अनूठे प्रयोग: बागी आत्मसमर्पण

बागी आत्मसमर्पण दिवस समारोह के दौरान भाई जी का संबोधन, मंचासीन कुछ आत्मसमर्पित पूर्व बागी

चम्बल घाटी मध्य प्रदेश के भिंड, मुरैना राजस्थान के धौलपुर और उत्तर प्रदेश के इटावा के दुर्दांत बागियों से निरंतर वार्तालाप और भजन के माध्यम से उनको आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित किया. परिणामतः 70 के दशक में महात्मा गांधी सेवा आश्रम के प्रांगण में लोकनायक जयप्रकाश नारायण और श्रीमती प्रभावती जी की उपस्थिति में 654 बागियों ने समर्पण किया और कालांतर में उत्तरप्रदेश एवं राजस्थान के बागियों के समर्पण का दायित्व भी भाई जी ने पूरा किया. मोहर सिंह, माधौ सिंह तथा अन्य बागी सरदारों के नेतृत्व में 14-16 अप्रैल,1972 को 186 बागियों ने महात्मा गांधी की मूर्ति के सामने हथियार डालकर जौरा में समर्पण किया. जिस काम को करने में प्रशासन और सरकार विफल रही उस काम को गांधी का एक अनन्य सिपाही अपने मधुर गीतों और प्रेम से करने में सफल हुआ, जो किसी चमत्कार से कम नहीं था और आजादी के बाद अहिंसा के सर्वोत्तम प्रयोगों में से एक था. उसके बाद उन आत्मसमर्पित बागियों के पुनर्वास का भी कार्य किया.

देश की एकता, अखण्डता और भाईचारा

'युवा शक्ति ही देश की शक्ति है' के मंत्र वाक्य ने भाई जी को 1970 की दशक में राष्ट्रीय युवा योजना की स्थापना के लिए प्रेरित किया. इसके माध्यम से देश भर में आयोजित राष्ट्रीय एकता, युवा नेतृत्व, सद्भावना, आपदा प्रबंधन शिविरों में लाखों युवक-युवतियों में देश प्रेम, सद्भावना, रचनात्मक कार्य और राष्ट्रीय एकता का संस्कार विकसित करने का कार्य भाई जी ने किया. भाई जी का मानना था कि 'देश का बहुत पैसा भवन निर्माण, उद्योग, बांध, सड़कों पर खर्च होता है उसके साथ देश में चरित्रवान नागरिकों के निर्माण पर भी शक्ति और साधन व पूंजी खर्च करनी होगी. यदि चरित्रवान नागरिक का निर्माण नहीं हुआ तो देश का सारा विकास निरर्थक है.' 80-90 की दशक में देश के कई हिस्सों में दंगे हुए, जहां पर भाई जी ने नवजवानों के साथ पहुंचकर सांप्रदायिक सद्भावना और धार्मिक एकता के लिए कार्य किया.

सद्भावना रेल यात्रा

सद्भावना रेल यात्रा के दौरान भागीदार नव युवक युवतियों के बीच डा. एस. एन . सुब्ब राव जी

राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना को बढ़ावा देने के लिए रेल मंत्रालय एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की मदद से भाई जी ने सद्भावना रेल यात्रा पूरे भारत में तीन चरणों में की, जिसमें लगभग 2500 युवक-युवतियों ने भाग लिया. यह यात्रा देश के लगभग सभी शहरों और नगरों से गुजरी. इसमें सद्भावना और भाईचारा 'युवाओं की कामना-सद्भावना, सद्भावना, 'धर्म भेद का कहां सवाल- भारत मॉ के सब है लाल' जैसे संदेशों का प्रचार प्रसार किया गया.

गांधी विचारों का प्रचार प्रसार

भाई जी का पूरा जीवन गांधीवादी विचारों के प्रचार प्रसार के लिए समर्पित रहा, उनके निर्देशन में गांधी जन्मशताब्दी वर्ष 1969-70 के अवसर पर गांधी दर्शन ट्रेन पूरे देश में छोटी-बड़ी रेल लाइन पर चलायी गयी और सत्य, प्रेम, अहिंसा, परोपकार, भाईचारा के विचारों का उन्होने पूरे देशभर में प्रचार किया गया. भाई जी ने आजीवन खादी और कुटीर ग्रामोद्योग के वस्त्रों और वस्तुओं का उपयोग करते हुए लोगों को प्रेरित किया.

भाषायी एकता और भारत की संतान

दुनिया में कई देश भाषा और धर्म के आधार पर टूट गए, इसलिए भाई जी ने अपने शिविरों के माध्यम से युवाओं को 'सर्व धर्म-ममभाव', तथा 'सर्व भाषा-सम भाव' के लिए प्रेरित किया. भाई जी स्वयं देश के संविधान में उल्लेखित सभी भाषाओं के अच्छे जानकार रहे. उनके द्वारा निर्देशित 'भारतीय बहुभाषा गीत-भारत की संतान' भाषायी और वेषभूषा की विभिन्नता में एकता का संदेश देती है, वे इसका मंचन अपने सभी कार्यक्रमों में करते थे.

धार्मिक एकता और सद्भावना के लिए भाई जी हर एक दिन संध्याकाल सर्वधर्म प्रार्थना करते थे, और सभी धर्मों के प्रति आदर भाव प्रस्तुत करने के लिए लोगो को प्रेरित भी.

पुरस्कार और सम्मान

भाई जी द्वारा स्थापित राष्ट्रीय युवा योजना को राष्ट्रीय युवा पुरस्कार- 1995 मिला. भाई जी को काशी विद्या पीठ द्वारा डी.लिट. की सम्मानित उपाधि- 1995, भारतीय एकता पुरस्कार, विश्व मानवाधिकार प्रोत्साहन पुरस्कार-2002, राजीव गांधी राष्ट्रीय सद्भावना पुरस्कार-2003, राष्ट्रीय संप्रदायिक सद्भावना पुरस्कार-2003, जमनालाल बजाज पुरस्कार-2006, महात्मा गांधी पुरस्कार-2008, अणुवर्त अहिंसा पुरस्कार-2010, भारतीय साथी संगठन दिल्ली द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड-2014, कर्नाटक सरकार द्वारा महात्मा गांधी प्रेरणा सेवा पुरस्कार-2014 और राष्ट्रीय सद्भावना एकता पुरस्कार-2014 नागपुर, महाराष्ट्र से सम्मान मिला.

राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सद्भाव पुरस्कार के दौरान पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह और पूर्व उप राष्ट्रपति भैरो सिंह शेखावत के साथ

पूर्व राष्ट्र पति डा. अब्दुल कलाम आजाद से अनुव्रत पुरस्कार लेते हुए भाई जी

युवाओं के लिए भाई जी का सन्देश

अपने जीवन को उपयोगी बनाना चाहते हैं और एक बेहतर भारत और दुनिया के निर्माण में मदद करना चाहते हैं , तो आपको बधाई. पूरे भारत और दुनिया में फैले दो लाख से अधिक युवाओं (पुरुषों और महिलाओं) वाले राष्ट्रीय युवा योजना (एन वाई पी) परिवार का सदस्य बनने के लिए आपका स्वागत है.

एक घंटा देह को एक घंटा देश को : सभी को अपने बौद्धिक, शारीरिक और आध्यात्मिक विकास के लिए प्रत्येक दिन एक घंटा देना चाहिए और देश में गरीबों व पर्यावरण, एकता और अखंडता के लिए एक घंटा समय देना जरुरी है.

कार्य : हम सभी जानते हैं कि समाज में अच्छी और बुरी शक्तियां होती हैं, ऐसे लोगों की संख्या भी अधिक है जो चाहते हैं कि समाज खुशहाल हो. कुछ बुरी शक्तियां होती हैं जो दुसरे लोगों को दुःख पंहुचाती हैं, परन्तु ऐसे दुष्ट लोगों की संख्या कम होती है. लेकिन खुशहाली चाहने वाले लोग बिखरे हुए हैं और उनके पास दुनिया में कोई कार्य योजना नहीं है. राष्ट्रीय युवा योजना का सदस्य बनने का मतलब है कि आप समाज के एक सक्रिय, सकारात्मक और ईमानदार सदस्य बन जाते हैं.

कैसे करें शुरुआत:

- आश्वस्त रहें कि समाज में अन्य लोग भी हैं जो आपकी तरह सोचते हैं, " हम दुनिया को खुशहाल बना सकते हैं और हमें ऐसा करना चाहिए."
- क्या हम एक साथ मिल सकते हैं ? समान विचारधारा वाले लोगों को बैठक में आमंत्रित करें, एक स्थान और समय निश्चित करें. वह स्थान आपका या आपके मित्र का घर, मैदान या पेड़ के नीचे आदि हो सकता है.
- यदि बैठक की शुरुआत किसी गीत से हो तो अच्छा है, यदि समुदाय में हो तो और भी अच्छा है.

प्रथम शनिवार :	दूसरा रविवार:	तीसरा शनिवार :	अंतिम रविवार की शाम :
बौद्धिक वर्ग, वाद-विवाद, पुस्तक समीक्षा आदि.	सामुदायिक श्रमदान कार्य, पौधरोपण, साफ सफाई .	सर्वधर्म प्रार्थना और सांस्कृतिक कार्यक्रम.	सामूहिक खेलकूद आदि.

2. यात्रा का उद्देश्य, मार्ग

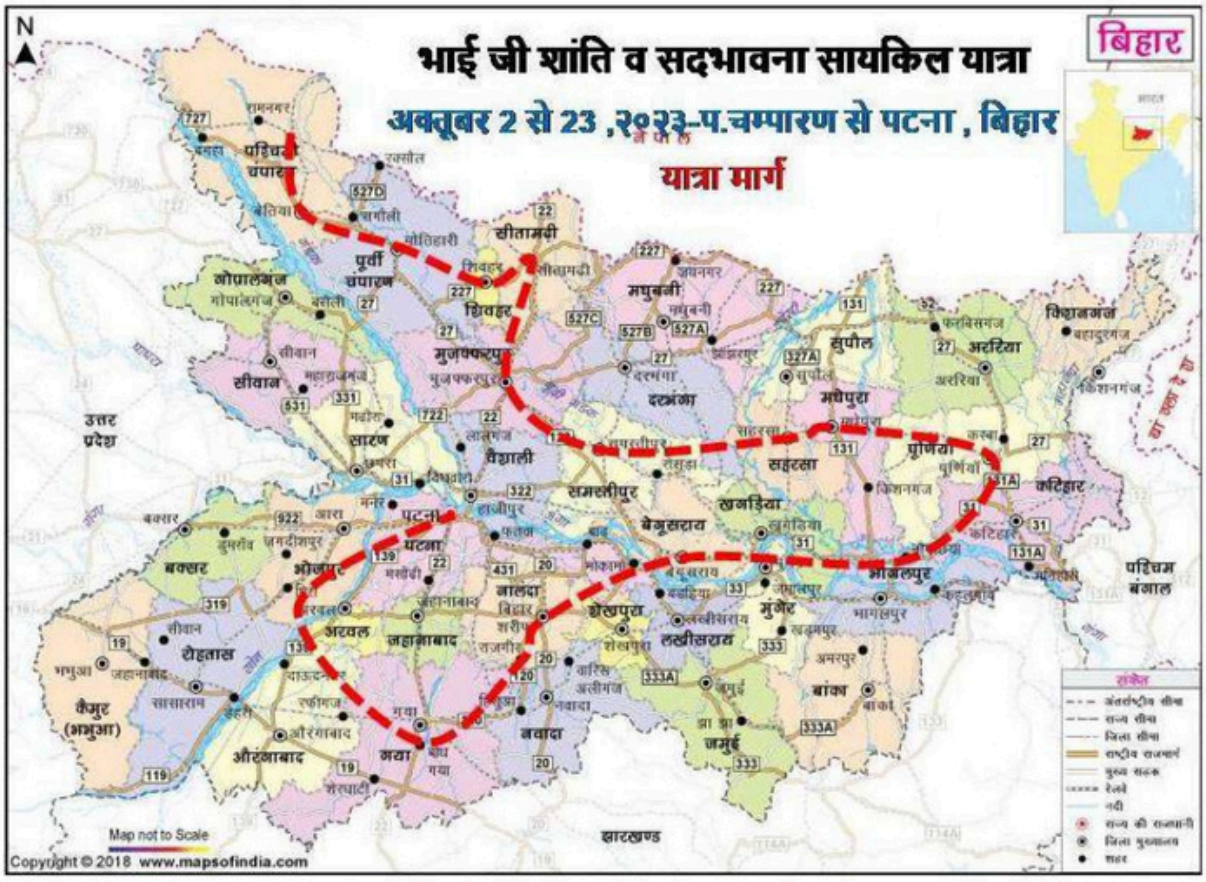

महात्मा गांधी जी की 154वीं जयंती और स्वर्गीय डॉ. एस.एन. सुब्ब राव जी (हमारे प्रिय भाई जी) की द्वितीय पुण्य तिथि के अवसर पर राष्ट्रीय युवा योजना द्वारा **भाई जी डॉ. एस.एन. सुब्ब राव शांति व सद्भावना सन्देश साइकिल यात्रा** (अक्टूबर 2 से 25, 2023) भितिहरवां आश्रम, पश्चिम चंपारण से पटना (बिहार) का आयोजन किया गया.

भाई जी से जुड़े नवजवानों का मानना है कि वे गांधी का साक्षात् दर्शन नहीं कर सके किन्तु भाई जी के रूप में उन्होंने पूज्य गांधी का दर्शन अवश्य किया है, क्योंकि उनके जमाने में **स्वर्गीय डॉ. एस.एन. सुब्ब राव** एक जीवंत गांधी थे. देश के पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण पूरे देश के कोने-कोने में युवा शिविरों का आयोजन और समुदाय, कालेज, स्कूल, विश्वविद्यालय, संस्थाओं का भ्रमण का गांधी के विचारों का प्रवाह भाई जी ने किया.

भाई जी द्वारा शांति, सद्भावना, धार्मिक एकता, देश की अखंडता और भाई चारे के कार्यों को स्थायी करने, पोषित और प्रफुल्लित करने के लिए जरुरी है कि भाई जी के विचारों का निरंतर प्रचार प्रसार चलता रहे" इन्ही उदेश्यों को लेकर साइकिल यात्रा राष्ट्रीय युवा योजना के द्वारा आयोजित की गयी.

यात्रा का मार्गदर्शन राष्ट्रीय युवा योजना के संस्थापक सचिव और न्यासी और गाँधीवादी रन सिंह परमार और संयोजन अशोक भारत युवा गाँधीवादी ने किया.

यात्रा मार्ग और पड़ाव

गांधी जयंती 2 अक्टूबर, 2023 को गांधी आश्रम भितिहरवा, पश्चिम चंपारण से आरंभ हुई भाई जी संदेश यात्रा बिहार के 25 जिलों से होकर 1500 किलोमीटर की दूरी तय कर 25 अक्टूबर को पटना पहुंची. बिहार के जिन प्रमुख जगहों से यात्रा गुजरी उसमें भितिहरवा, नरकटियागंज, बेतिया, छगराहा, मोतिहारी, पकड़ीदयाल , मधुबन, लालगढ़, शिवहर, सीतामढ़ी, रुन्नीसैदपुर, मुकसुदपुर, मुजफ्फरपुर, पिल्खी, मुरौल, मालीनगर, बथुआ, समस्तीपुर, बेलसंडी तारा, रोसड़ा, माहेसिंधिया, सहरसा, मधेपुरा, मुरलीगंज, रानीपतरा, पूर्णिया, कटिहार, बरारी बाजार, नवगछिया, भागलपुर, रूनुचक-मखदुमपुर, मुंगेर, बेगूसराय, सरमेरा, बरबीघा, बिहारशरीफ, नालंदा, राजगीर, हिसुआ, जमुआवा, वजीरगंज, गया, पंचानपुर , गोह, पचरुखिया, दाउदनगर , विक्रमगंज , जगदीशपुर , कोईलवर , अमराहा, बिहिटा, पाटलिपुत्र एवं पटना शामिल हैं.

भितिहरवा आश्रम , प. चंपारण से यात्रा के प्रारंभ में गाँधी जी की प्रतिमा के समक्ष यात्री दल

यात्रा के मुख्य अतिथि श्री दीपक मालवीय अध्यक्ष लोक सेवक मंडल, नई दिल्ली का उद्बोधन

गाँधी स्मारक संग्रहालय , भितिहरवा प. चंपारण से यात्रा का प्रारंभ

3. शांति सन्देश के लिए युवाओं का संकल्प

यात्रा का प्रारम्भ

पश्चिम चंपारण में स्थित गांधी आश्रम भितिहारवा में गांधी की प्रतिमा के समक्ष सर्वधर्म प्रार्थना से शुरू की गयी साइकिल यात्रा के उदघाटन के अवसर पर कस्तूरबा उच्च विद्यालय बालिका में आयोजित जनसभा को लोक सेवक मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक मालवीय ने संबोधित किया. उन्होंने कहा कि भाई जी संदेश यात्रा गांधी जयंती मनाने का एक रचनात्मक तरीका है. भाई जी सिर्फ गीत गाने वाले एवं नारा लगाने वाले व्यक्ति नहीं थे. उन्होंने लाखों युवक एवं युवतियों को रचनात्मक प्रवृत्तियों की ओर प्रेरित किया . उन्हें सामाजिक सरोकार एवं राष्ट्र निर्माण के कार्य से जोड़ा. देशभर में रचनात्मक युवाओं की टीम खड़ी की. इनमें से कुछ लोगों ने इस यात्रा का आयोजन किया है. राष्ट्रीय युवा योजना के रनसिंह परमार ने कहा की शांति के बिना विकास संभव नहीं है. भाई जी के नाम से मशहूर डॉ. एस. एन. सुब्बाराव का सारा जीवन शांति और सद्भावना को समर्पित था. इस अवसर पर भारत की संतान के निर्देशक नरेंद्र भाई द्वारा यात्रियों का राज्यवार परिचय कराया. तदोपरांत भाई जी संदेश यात्रा के उद्देश्यों और व्यवस्था पर प्रकाश डाला.

भाई जी से मेरा परिचय

भाई जी से मेरा संबंध 1988 से रहा है. बाबा आमटे द्वारा आयोजित सोमनाथ शिविर में उनसे पहली मुलाकात हुई थी. भारत जोड़ो यात्रा में 2 महीने मैं उनके सानिध्य में रहा. 8 नवंबर, 1988 को उन्होंने अपने साथ काम करने का निमंत्रण दिया था. तब से उनके साथ मेरा संबंध निरंतर कायम रहा और उनका मार्गदर्शन एवं सहयोग हमें मिलता रहा. मेरे जीवन में हुए परिवर्तन में जिन व्यक्तियों को महत्वपूर्ण योगदान रहा उनमें भाई जी प्रमुख हैं. मैंने गांधी को नहीं देखा है, लेकिन हमने गांधी के रूप में भाई जी को पाया. भाई जी की सरलता, सादगी एवं निश्छल प्रेम जीवन पर्यंत लोगों के आकर्षण का केंद्र रहेगा जैसे लोहा से चुंबक चिपक जाता है वैसे ही भाई जी का व्यक्तित्व था जो लोगों को सहज ही आकर्षित करता था.

मैंने गांधी को नहीं देखा है, लेकिन हमने गांधी के रूप में भाई जी को पाया. भाई जी की सरलता, सादगी एवं निश्छल प्रेम जीवन पर्यंत लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा.

आचार्य विनोबा भावे जी ने कहा था कि 'मैं प्यार बांटने में फर्क नहीं करता', उसका दर्शन हमें भाई जी में होता था. वह बच्चे, युवक, युवती, वयस्क एवं बुजुर्ग सबको समान रूप से प्रेम और स्नेह देते थे. कोई भी, कभी भी उनसे मिल सकता था, बातचीत कर सकता था. वह अपने जमाने के ऐसे एकमात्र गांधीवादी थे, जो जीवन पर्यंत युवाओं को संस्कारित कर राष्ट्र निर्माण एवं रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रेरित करते रहे. इस मामले में वह अन्य गांधी मार्गियों से भिन्न एक अनोखे व्यक्तित्व के स्वामी थे.

भाई जी संदेश साइकिल यात्रा भाई जी के प्रति अपनी भावांजलि अर्पित करने का मेरे लिए एक अवसर था. भाई जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे. वह अनेक भाषाओं के ज्ञाता थे. संगीत में उन्हें महारत हासिल था. वह उच्च कोटि के रचनात्मक कार्यकर्ता थे. उनके द्वारा स्थापित महात्मा गांधी सेवा आश्रम, जौरा में किए गए रचनात्मक कार्य इसके गवाह है. वे राष्ट्रीय एकता, शांति और सद्भावना के अग्रदूत थे. 700 वर्षों से, चंबल घाटी में जारी हिंसा से मुक्ति दिलाने वाले वे शांति के अग्रदूत थे. जो काम सरकार गोली से नहीं कर पाई उसे भाई जी ने बोली से लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में कर दिया, जिसकी कोई मिसाल इतिहास में नहीं मिलती. इसलिए महात्मा गांधी सेवा आश्रम दुनिया में अहिंसा के नए प्रयोग के लिए प्रसिद्ध हुआ. जिसके शिल्पकार भाई जी थे. भाई जी उच्च कोटि के संत थे.

गांधी आश्रम, भितिहरवा

चंपारण गांधी की कर्मभूमि है. यहां आजादी के आंदोलन के दौरान देश में सत्याग्रह का पहला सबसे बड़ा सफल प्रयोग हुआ था, जिसने देश के इतिहास की दिशा बदल दी . गांधी आश्रम भितिहरवा वह स्थान है जहां पूज्य बापू (महात्मा गाँधी) एवं बा (कस्तूरबा गाँधी) रहे थे . चंपारण में भाई जी ने भी शांति एवं सद्भावना का कार्य किया था. मिनी चंबल के नाम से कुख्यात चंपारण में भाई जी ने 1990 की दशक में कई राष्ट्रीय एकता, शांति और सद्भावना के शिविर आयोजित किए थे. आज चंपारण में अमन - शांति है. इसलिए भाई जी संदेश साइकिल यात्रा की शुरुआत भी भितिहरवा आश्रम, पश्चिम चंपारण से की गई. कस्तूरबा बालिका उच्च विद्यालय के निर्देशक दीपेंद्र वाजपेई एवं प्राचार्य सुदिष्ठ जी का भरपूर प्रेम और सहयोग मिला. भितिहरवां आश्रम के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अशोक कुमार सिन्हा ने यात्री दल का स्वागत किया. महात्मा गांधी के प्रतिमा के समक्ष सर्व-धर्म प्रार्थना से यात्रा की शुरुआत हुई.

यात्रा के प्रसंग

पूरी यात्रा में लोगों का जो प्रेम मिला, वह प्रेरणादायक और अभूतपूर्व था. जिसका पूरा वर्णन करना संभव नहीं है. मगर कुछ प्रसंग का उल्लेख करना यहां उचित होगा.

हम पश्चिम चंपारण से सुखद अनुभव के साथ पूर्वी चंपारण के मुख्यालय मोतिहारी पहुंचे. मोतिहारी में गांधी संग्रहालय में यात्री दल का स्वागत हुआ. यहां की पूरी व्यवस्था वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं गांधीवादी विनय कुमार एवं युवा राजगुरु के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने किया. यहां पर शाम को एक प्रार्थना सभा हुई . यह वही जगह है जहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का चंपारण सत्याग्रह के समय मुकदमा चला था. मोतिहारी से 4 अक्टूबर को हम सुबह पकड़ी दयाल पहुंचे, जहां यात्री वरिष्ठ गांधीवादी नारायण मुनि के नेतृत्व में दल का भव्य स्वागत हुआ. नारायण मुनि को चंपारण का गांधी भी कहा जाता है . वह ऐसी पीढ़ी के प्रतिनिधि हैं जिन्हें गांधी जी से मिलने का मौका मिला था , जो विनोबा की भूदान यात्रा में तथा जयप्रकाश के आंदोलन में भी शामिल रहे. यहां यात्री दल को नाश्ता के लिए कहा गया था. मगर उन्होंने नाश्ता के साथ भोजन की भी व्यवस्था की थी. यहां एक बड़ी जन सभा का आयोजन किया गया था. इस जन सभा में एस डी एम, जन प्रतिनिधि, बुद्धिजीवी, समाजसेवी, युवा , ग्रामीण एवं पत्रकार शामिल हुए.

> भाई जी के द्वारा शांति, सद्भावना, धार्मिक एकता, देश की अखंडता और भाई-चारा के कार्यों को स्थायी करने, पोषित और प्रफुल्लित करने के लिए जरुरी है कि भाई जी के विचारों का निरंतर प्रचार प्रसार चलता रहे"

बेतिया में यात्री दल का स्वागत

इसके बाद यात्री दल ने लालगढ़ , शिवहर के लिए प्रस्थान किया. मार्ग में मधुबन में विद्यालय में बच्चों के साथ कार्यक्रम हुआ. यहां गांधी जी आए थे . रनसिंह परमार के साथ मैं अशोक भारत गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया . लालगढ़ में यात्रा का स्वागत अमरिंदर त्रिपाठी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने किया. शाम को एक प्रार्थना सभा भी आयोजित की गई. इसके बाद यात्रा सीतामढ़ी के लिए शिवहर होकर प्रस्थान हुई . शिवहर में एक सभा हुई. यहां एक मंदिर में अल्पाहार की व्यवस्था थी.

सीतामढ़ी की व्यवस्था सुधीर मिश्रा ने की . उन्होंने शानदार व्यवस्था की थी. यहां मुख्य कार्यक्रम गोयनका कॉलेज में हुआ, जहां नगर के प्रमुख बुद्धिजीवी आए हुए थे. शाम के रंगारंग संस्कृति कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया . यहां एक राम जानकी मंदिर है, जहां मुख्य द्वार पर गांधी की प्रतिभा थी . लोग *राम जानकी की पूजा करने से पहले गांधी जी की पूजा* करते हैं यह एक नया अनुभव था.

सीतामढ़ी से मुजफ्फरपुर आने के क्रम में रुन्नीसैदपुर के ज्ञान भारती स्कूल में यात्रा का शानदार स्वागत हुआ . विद्यालय के निदेशक रामभद्र जी की सरलता, विनम्रता एवं हर्दिकता मन मोहने वाली थी. उनके मार्गदर्शन में विद्यालय के लगभग 100 विद्यार्थियों ने बैंड पार्टी के साथ विद्यालय से लगभग आधा किलोमीटर पहले स्वागत कर यात्री दल को विद्यालय

यात्रा के पड़ाव पर सायकिल यात्री दल

लेकर आए. जहां सभी यात्रियों का परंपरागत तरीके से स्वागत के बाद नाश्ता कराया गया . फिर लगभग 1000 छात्रों के साथ संवाद हुआ.

आगे चलकर मकसूदपुर में भव्य स्वागत एवं कार्यक्रम डॉ. रामेश्वर प्रसाद एवं वहां के मुखिया के संयुक्त

मुजफ्फरपुर में यात्री दल का स्वागत

तत्वावधान में हुआ. मुजफ्फरपुर में यात्री दल के ठहरने एवं कार्यक्रम की व्यवस्था प्रभात कुमार एवं मुकेश चन्द्र झा ने बहुत बढ़िया ढंग से की. मुजफफरपुर में ब्लू डायमंड रेसोर्ट में ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था थी. मुजफ्फरपुर में सरैयागंज में अर्जुन गुप्ता, जवाहरलाल रोड में मुकेश चन्द्र झा एवं श्रीमती झा, हाथी चौक पर आनंद कुमार ने यात्री दल का स्वागत किया . पिलखी पंचायत की मुखिया (सरपंच) श्रीमति प्रज्ञा कुमारी के नेतृत्व में यात्री दल का जोरदार स्वागत किया. यहां आयोजित कार्यक्रम में काफी संख्या में छात्र-छात्राएं, जनप्रतिनिधि, एवं ग्रामीण शामिल हुए.

समस्तीपुर जिला में प्रवेश पर मालीनगर में यात्रियों का स्वागत युवा एकता मंडल ने किया. समस्तीपुर जिला के सभी कार्यक्रम संजय कुमार बबलू के नेतृत्व में हुआ. बथुआ, समस्तीपुर, बेलसंडी तारा , रोसड़ा , मागेसिंगिया में भी यात्री दल का जोरदार स्वागत एवं कार्यक्रम आयोजित हुए. बथुआ और रोसरा का उल्लेख करना यहां प्रासंगिक हैं. बथुआ में गांधी स्मृति केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भारी संख्या में महिला, पुरुष, बच्चे, युवक, बुद्धिजीवी आदि शामिल थे . उनमें मुख्य बात यह थी की मुखिया, सरपंच, महिला, युवा सभी का गांधी के प्रति प्रेम एवं श्रद्धा . हर गांव में दो-चार लोग गांधी विचार पर आस्था रखने वाले तो मिल जाते हैं, *मगर पूरा का पूरा गांव गांधी मार्गी हो* ऐसा नजारा मुझे पहली बार देखने को मिला . रोसड़ा में वरिष्ठ गांधीवादी शुभमूर्ति जी के मार्गदर्शन में फूलेन्द्र सिंह , राम उदगार महतो एवं टीना शूभमूर्ति के संयुक्त नेतृत्व में यात्रा का स्वागत एवं कार्यक्रम बहुत ही उत्साहित करने वाला था. टीना

शूभमूर्ति जी यात्री दल को बेलसंडी तारा से स्वागत कर रोसड़ा तक लाई. यहां आयोजित कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष, एसडीएम, वार्ड पार्षद , समाजसेवी, युवा, पत्रकार एवं महिला आदि शामिल हुए. रोसड़ा से हम मागेसिंगिया पहुंचे. मार्ग में एक पुस्तकालय में हमारा स्वागत हुआ. यहां की पूरी व्यवस्था विजेन्द्र सिंह मुरारी ने पूरी हार्दिकता से की. सुबह सभी यात्रियों को अंगवस्त्र भेंट कर मुरारी जी ने स्वागत किया. मुरारी जी हमारे साथ साईकिल से लगभग 6 किमी चले. यहां विद्यार्थियों के साथ संवाद कर यात्रा 9 अक्टूबर को सुबह सहरसा के लिए प्रस्थान की. सहरसा में वरिष्ठ सर्वोदयी अवध नारायण यादव के नेतृत्व में यात्री दल का स्वागत हुआ . यहां एक महाविद्यालय में हमारे ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था थी.

सहरसा से मुरलीगंज जाने को दौरान मधेपुरा में थोड़ी देर विश्राम के लिए रुके . वहां कैलाश मीरा यादव से मिलना हुआ . उनकी एक सांस्कृतिक टीम है. थोड़ी देर बातचीत करने पर उन्होंने कहा कि यदि उन्हें पहले से बताया गया होता तो खाने की भी व्यवस्था करने में उनको ख़ुशी होती. उन्होंने सभी यात्रियों को शरबत और सत्तू पिलाया. उन्होंने ₹ 500 का दान भी दिया. बिहार में कहीं भी जरुरत पड़ने पर उन्होंने संपर्क करने के लिए कहा. ऐसे प्रेरणादायक अनुभव भाई जी की संदेश साईकिल यात्रा भरी थी. मुरलीगंज में हमारे ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था कोशी नवनिर्माण मंच के संदीप जी ने की.

सामान्यतः हमारे नाश्ते का पड़ाव और कार्यक्रम निर्धारित होते थे . मगर मुरलीगंज के आगे रानीपत्रा में नाश्ता के लिए जिन्होंने जिम्मेदारी ली थी वह पिताजी की बीमारी के कारण व्यवस्था नहीं कर पाए . इसलिए रानीपत्रा के कार्यक्रम के लिए एक साथी नीरज कुमार को आगे भेजा. उसने विजन पब्लिक स्कूल में प्रबंधक से संपर्क किया. उन्होंने सहर्ष कार्यक्रम एवं नाश्ता कराने की स्वीकृति प्रदान की. इस विद्यालय में लगभग 600 विद्यार्थियों के बीच यात्रा के संदेश को साझा किया गया और विद्यालय प्रबंधन ने सभी साईकिल यात्रियों को पूरी हार्दिकता से नाश्ता कराया. इस स्कूल में छात्रावास भी चलता है. उन्होंने हमें बताया कि छात्रों के जन्मदिन पर माता-पिता को विद्यालय में बुलाया जाता है और बच्चे पहले अपने माता-पिता की पूजा करते हैं. इस तरह अलग-अलग स्थान पर नए नए अनुभव हुए , जो हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का प्रमाण हैं.

पूर्णिया में राष्ट्रीय युवा योजना के वरिष्ठ साथी मीनाक्षी एवं बलवंत ने राजस्थान सेवा समिति में ठहरने एवं कार्यक्रम की व्यवस्था की . यहां के कार्यक्रम में काफी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया. इस अवसर पर शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए . यहां हमने यात्री दल की तरफ से वृक्षारोपण भी किया.

नगर पंचायत पकड़ी दयाल में भाई जी सन्देश यात्रा का स्वागत और कार्यक्रम

यात्री दल के पड़ाव व्यवस्था के लिए आभार पत्र देते हुए रन सिंह परमार

उसके संरक्षण की व्यवस्था राजस्थान सेवा समिति के प्रबंधक ने ली. यहां संतोष भारत के नेतृत्व में आम्रपाली महिला युवा हॉस्टल द्वारा यात्रियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए .

कटिहार की व्यवस्था भाई जी के पुराने शिविरार्थी सतीश सिंह ने की . यहां के कार्यक्रम में जन स्वराज अभियान की भी भागीदारी एवं सहयोग रहा . खास बात यह थी कि कार्यक्रम में अच्छी संख्या में खिलाड़ी शामिल हुए. बरारी बाजार में हम लोग एक महाविद्यालय में ठहरे थे . यहां पर भी यात्री दल की तरफ से वृक्षारोपण किया गया . बरारी बाजार से हम लोग शिव शक्ति योगपीठ नवगछिया पहुंचे . वहां स्वामी अगमानंद जी का आशीर्वचन यात्रा को प्राप्त हुआ. यात्री यहां तीन घंटा रुके. यहां पर हमारे दोपहर के भोजन की व्यवस्था थी. हमारे स्वागत के लिए उन्होंने तोरणद्वार लगाए थे.आश्रम से 1 किलोमीटर पहले आश्रम के सन्यासी स्वागत के लिए खड़े थे. वहां से वे हमें मार्गदर्शन कर आश्रम ले आए. आश्रम पहुंचकर सभी लोगों को शरबत पिलाया गया .स्वामी अगमानंद सिद्ध पुरुष हैं और क्षेत्र में काफी ख्याति है. उन्होंने अपने साथ मंच पर बिठाकर सभी यात्रियों का अंग वस्त्र से स्वागत किया एवं पत्रिका भेट की तथा हमें अपना आशीर्वचन दिया . उन्होंने गांधी एवं भाई जी के बारे में अनमोल बातें बतायीं. उन्होंने अपने आशीर्वाद स्वरुप ₹ 5000 का आर्थिक सहयोग भी किया. इसके साथ ही खाने के लिए मिठाई, नमकीन हमारे वाहन में रखवा दिए तथा हमें फिर से आने का निमंत्रण दिया. यहां की पूरी व्यवस्था विजय कुमार धावक ने की, जिनका इस क्षेत्र में बहुत सम्मान है.

भागलपुर में हमारा स्वागत वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता रामशरण जी , राष्ट्र सेवा दल बिहार के अध्यक्ष एवं परिधि के प्रमुख उदय जी, लोक समिति के गौतम जी, गांधी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र गुप्ता एवं सचिव संजय कुमार , शेफाली युवा क्लब एवं पूर्व कुलपति डॉ. फारुख अली ने किया . मुख्य कार्यक्रम उर्दू हाई स्कूल पर हुए जहां भाई जी ने भागलपुर में साम्प्रदायिक दंगे के बाद यहां शांति - सद्भावना शिविर किये थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता रामशरण जी तथा संचालन फारूक अली ने किया . गांधी शांति प्रतिष्ठान में शाम की सर्व धर्म प्रार्थना सभा हुई.

भागलपुर से मुंगेर जाने के क्रम में रुनूचक मखदुमपुर में एक विद्यालय में नाश्ता की व्यवस्था थी. इस विद्यालय का संचालन डॉक्टर सुजाता चौधरी के नेतृत्व में होता है. इस कार्यक्रम में डॉ. एन चौधरी, प्रसिद्ध चिकित्सक, डॉ .सुजाता चौधरी, विद्यालय के प्राचार्य , शिक्षक, शिक्षिकाएं, बुद्धिजीवी तथा ग्रामीण उपस्थित थे. सुजाता जी ने यात्रा के लिए 2100 रुपए का आर्थिक सहयोग भी किया. मुंगेर में हमारे ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था रवि रंजन जी ने किया था. उन्होंने बहुत बढ़िया ढंग से हमारे ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था की थी.

बेगूसराय में गड्ढा में गिरने के कारण यात्री दल की पूजा कुमारी को पैर में चोट आयी . हम थोड़ा विश्राम के लिए एक स्थान पर रुके, वह कोई छोटा सा अस्पताल था. उसके प्रबंधन ने हमारी मदद की . शहर के प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ का पता दिया , जहां पूजा कुमारी का उचित उपचार हो सका. उन्होंने सभी यात्रियों को चाय भी पिलाई. बेगूसराय के बाद हमारा अगला पड़ाव सरमेरा, बरबीघा में था. सरमेरा में यात्रियों को बैंड-बाजा के साथ स्वागत किया गया और जुलूस निकाला गया,जिसका नेतृत्व शहर के प्रबुद्ध बुद्धिजीवी कर रहे थे. बरबीघा में आदर्श विद्या भारती में हमारे ठहरने एवं कार्यक्रम की व्यवस्था थी. यह शिक्षण संस्थान सही मायने में आदर्श था. यहां 1200 बच्चे छात्रावास में रहते हैं और देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में दाखिले के लिए तैयारी करते हैं. यहां छात्रों के बहुमुखी विकास का ध्यान रखा जाता है. जितना बड़ा यह शिक्षण संस्थान है उतना ही सौम्या और शालीन व्यक्तित्व के स्वामी है यहां के मुख्य

पूर्णिया में मेजबान के साथ यात्री दल

प्रबंधक संजीव कुमार. यहां यात्री दल के सदस्य केरल के युवा साथी फवाद को बंदर ने काट लिया और तनु कुमारी की भी तबीयत ठीक नहीं थी. उन दोनों के उचित उपचार की व्यवस्था संजीव जी ने की, जिससे हम निश्चिंत होकर यात्रा का संचालक निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कर सके. आदर्श विद्या भारती में सभी यात्रियों का अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया यहां के कार्यक्रम में लगभग 500 छात्रों की भागीदारी रही. विद्यालय में हम लोगों ने वृक्षारोपण किया.

शिव शक्ति योगपीठ नवगछिया , भागलपुर में स्वामी अगमानंद जी द्वारा स्वागत

यहां से हम लोग बिहारशरीफ पहुंचे. रास्ते में मून पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम एवं अल्पाहार की व्यवस्था थी . बिहारशरीफ में भाई जी के कई कार्यक्रम पहले हुए थे. इसलिए लोगों में यात्रा को लेकर विशेष उत्साह था. सबसे पहले विजन पब्लिक स्कूल में यात्री दल का स्वागत विद्यालय के प्राचार्य एवं विद्यार्थियों ने किया. फिर हम लोग आरपीएस पब्लिक स्कूल पहुंचे, जहां लगभग 600 छात्रों के बीच कार्यक्रम हुआ. यहां पर नालंदा महिला महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राएं कार्यक्रम पदाधिकारी के साथ उपस्थित थीं . छात्राओं ने इस अवसर पर सद्भावना के विशेष संदेश कार्ड स्वयं तैयार किए थे. जो बड़ा ही प्रेरणादायक पहल थी. यहां पर गायत्री परिवार के सदस्यों ने भी हमारा स्वागत किया. बिहारशरीफ में सोहरा वक्फ बोर्ड के पदाधिकारियों के साथ एक संक्षिप्त बैठक हुई .

नालंदा में चाइनीज टेंपल में हमारे ठहरने की व्यवस्था थी. यहां पर सृजन के द्वारा एक शानदार सांस्कृतिक

संध्या का आयोजन किया गया . नालंदा के बाद अगले दिन सिलाव में भैया अजीत के नेतृत्व में यात्रियों का स्वागत हुआ, जिसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी , नगर अध्यक्ष समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे. अगला पड़ाव राजगीर था. जहां पर दुकानदार संघ ने हमारा स्वागत किया. यहां सभी यात्रियों ने ब्रह्म कुंड में स्नान किया. यह स्थान गर्म पानी के झरने के लिए प्रसिद्ध है. राजगीर में अल्प विश्राम के बाद हम लोग हिसुआ पहुंचे . जहां हमारे ठहरने की व्यवस्था कुशवाहा समाज ने की. यहां राष्ट्रीय युवा योजना के ट्रस्टी मधु भाई यात्रा से जुड़े. सरमेरा , बरबीघा, बिहारशरीफ, नालंदा एवं हिसुआ की पूरी व्यवस्था और कार्यक्रम दीपक कुमार के नेतृत्व में शानदार तरीके से सम्पन्न हुआ.

गया जिले में प्रवेश पर जमुआबा में यात्री दल का स्वागत किया गया . गया में ग्राम निर्माण मंडल खादी ग्रामोद्योग समिति में हमारे ठहरने की व्यवस्था थी. यहां पहुंचने के बाद सभी साइकिल यात्री महाबोधि मंदिर दर्शन के लिए गए. यहां शाम को सर्व धर्म प्रार्थना हुई. बैठक का आयोजन खादी भंडार में किया गया. यहां रन सिंह भाई यात्रा से जुड़े. गया में मध्य प्रदेश से तीन, मुजफ्फरपुर से चार, पटना से तीन कुल 10 लोग यात्रा में जुड़े . गया से पचरुखिया जाने के क्रम में पंचानपुर में यात्री दल का स्वागत एवं नाश्ते की व्यवस्था थी. गया जिले की पूरी व्यवस्था वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता कारु भाई तथा जगत भूषण जी ने किया था. गया जिला में कई कार्यक्रम हुए. पचरुखिया में हम ग्रामीण अंचल के एक स्कूल में ठहरे थे. यहां की पूरी व्यवस्था पत्रकारों ने अजय श्रीवास्तव संपादक नव बिहार टाइम्स के नेतृत्व में की. जिसमें प्रेम कुमार की प्रमुख भूमिका थी. यहां प्रगतिशील लेखक संघ की तरफ से यात्री दल को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया. पचरुखिया आने के क्रम में गोह में भी पत्रकार गौतम जी के नेतृत्व में स्वागत हुआ. यहां से हम बिक्रमगंज पहुंचे, जहां डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने हमारे ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था की थी . नवरात्रि के कारण शिक्षण संस्थान बंद थे . इसीलिए विद्यालय में कार्यक्रम नहीं हो सका. यहां दुर्गा पूजा मेला घूमने के लिए सभी यात्रियों को दो-दो सौ दिए गए. अगले दिन 23 अक्टूबर को हम लोग जगदीशपुर पहुंचे. जगदीशपुर वीर कुंवर सिंह का जन्म स्थान है. वहां उन्हें श्रद्धा सुमन समर्पित किया गया. यहां हेमराज सिंह ने हमारे ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था की थी . विक्रमगंज एवं जगदीशपुर की व्यवस्था सत्येन्द्र भाई के माध्यम से हुई. सत्येन्द्र भाई आंदोलन के पुराने साथी हैं.

जगदीशपुर से हम बिहिया होते हुए बिहिटा के लिए प्रस्थान किए. यहां की एक घटना का उल्लेख करना प्रासंगिक होगा . हम लोग एक दुकान पर नाश्ता के लिए रुके थे. दशहरा का दिन था. बाजार में चहल-पहल थी. मेला का समय था . थोड़ी देर में नगर अध्यक्ष उस दुकान पर आए. उन्होंने दुकानदार से कुछ

भाई जी सन्देश यात्रा का स्वागत और पेयजल की व्यवस्था

बातचीत की. इस दौरान शीतल भाई ने उनको यात्रा के बारे में बताया कि हम लोग चंपारण से साइकिल से आ रहे. शीतल भाई के कहने के साथ ही वे गाड़ी से उतर गए और दुकानदार से पैसा नहीं लेने का निर्देश दिया. हमारे साथ एक किलोमीटर साईकिल से चले . फिर उन्होंने हमें ट्रैफिक से निकालकर हाईवे पर पहुंचा दिया . ऐसे कई अनुभव हमें भाई जी संदेश यात्रा में हुए, जिसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते थे. पटना जाने के क्रम में निर्धारित रात्रि पड़ाव कोईलवर में उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हम लोग बिहिटा पहुंचे, जहां हमारे ठहरने की व्यवस्था विनोद जी ने रवि रंजन जी के यहां अमरोहा में की थी. उन्होंने दशहरा होने के बावजूद हमारे ठहरने , भोजन एवं कार्यक्रम की अच्छी व्यवस्था की थी . हम लोगो को एक इंजीनियरिंग कॉलेज में ठहराया गया था. अगले दिन उन्होंने हमें समारोह पूर्वक विदाई दी . रास्ते में बिहिटा जाने के क्रम में दो जगह स्वागत हुआ . बिहिटा में एक गौशाला में गए, जिसका संचालन विनोद जी करते हैं . वे ऑक्सीजन आंदोलन से भी जुड़े हैं. यहां लगभग 300 गाय हैं. कोल्हू का सरसों तेल यहां तैयार होता है . उन्होंने दूध, दही के साथ लिट्टी चोखा और मिठाई से सभी यात्रियों को तृप्त कर दिया. यहां से हम पटना की ओर निकले .

दानापुर में दो जगह पर स्वागत हुआ. मंथन में हमारे स्वागत की व्यवस्था एकता परिषद् के प्रदीप प्रियदर्शी की पहल पर फादर ने की थी. दानापुर रेलवे स्टेशन पर युवा हॉस्टल के उपाध्यक्ष के नेतृत्व में यात्री दल का स्वागत हुआ. फिर हम पाटलिपुत्र में कमला नेहरू बाल हाई स्कूल पहुंचे . यहां पर आयोजित राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना शिविर में यात्री दल शामिल हुए. इस प्रकार भाई जी संदेश यात्रा **24 दिनों में 1500 किमी** की दूरी तक कर पटना पहुंची.

शांति और सद्भावना के अग्रदूत एवं युवाओं के प्रेरणास्रोत डॉ. एस. एन. सुब्बाराव, जो भाई जी के नाम से मशहूर थे, के द्वितीय पुण्यतिथि पर आयोजित भाई जी संदेश साईकिल यात्रा का 25 अक्टूबर , 2023 को पटना पहुंचने पर रन सिंह परमार , सचिव, राष्ट्रीय युवा योजना के नेतृत्व में सुकुमारन (कोषाध्यक्ष), मधुभाई (ट्रस्टी) राष्ट्रीय युवा योजना, राकेश दीक्षित, निदेशक, कमला नेहरू शिशु बाल विद्यालय, सुनील सेवक , प्रभात कुमार, नीरज कुमार, मुकेश चन्द्र झा ने राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना शिविर में आए शिवरार्थियों का ने पूरे गर्मजोशी एवं परम्परागत तरीके से भव्य स्वागत किया और यात्रा का समापन हुआ.

दोपहर पड़ाव पर यात्री दल भोजन ग्रहण करते हुए.

समसामयिक पहल की स्वीकृति

इस यात्रा में अलग-अलग स्वाद के अल्पाहार और भोजन मिले. यात्री दल का स्वागत राष्ट्रीय युवा योजना के कार्यकर्ता, भाई जी के प्रेमी, गाँधी जन की टोली, किसान, लेखक-पत्रकार, बुद्दिजीवी, कलाकार, सहित आध्यात्मिक धार्मिक संस्थाओं के संतो, जनप्रतिनिधि, प्रधान ने किया. यात्रा के दौरान खान-पान में विविधता देखने को मिली. कहीं दही-चिउरा का नाश्ता था तो कहीं पूरी-सब्जी, कहीं लिट्टी-चोखा का भोजन परोसा गया , तो कहीं खीर-पूड़ी और मिठाई , तो कहीं दाल-भात-दही-सब्जी परोसा गया. मुझे बड़ी खुशी हुई जहां भी हम गए सभी जगह लोगों ने पूरी हार्दिकता से यात्रा का स्वागत किया . कई लोग ऐसे थे जो न तो भाई जी से कभी मिले थे और न ही राष्ट्रीय योजना से जुड़े थे. लेकिन उन्होंने भी यात्रा के स्वागत एवं कार्यक्रम की बहुत अच्छी व्यवस्था की. यह सम्मान भाई जी संदेश साइकिल यात्रा के समसामयिक पहल की स्वीकृति का प्रतीक था .

यात्रियों के हौसलें बुलंद थे, उन्होंने कभी भी न तो घर जाने की बात की और न ही थकान की बात की. बल्कि, यात्रा समाप्ति के बाद यात्रियों ने पटना में कहा कि "घर जाने का मन नहीं करता". घर पहुंच कर फोन करके यात्रियों ने कहा कि "मुझे घर पर मन नहीं लगता, अगला कार्यक्रम कब शुरू होगा".

तमाम कठिनाइयों, चुनौतियों और परेशानियों के बाबजूद भाई जी संदेश यात्रा बेहद सफल रही. राष्ट्रीय युवा योजना को भाई जी के संदेश को बिहार के 26 जिलों में पहुंचाने में सफलता मिली. भाई जी के परिनिर्वाण के बाद यह एक महत्वपूर्ण पहल बिहार में रन सिंह परमार के नेतृत्व में की. इसमें सभी ट्रस्टियों, देश भर के भाई जी के प्रेमी एवं राष्ट्रीय युवा योजना बिहार एवं देश भर के साथियों का भरपूर समर्थन सहयोग मिला.

(लेखक- अशोक कुमार 'भारत' एक ख्यातिनाम युवा गांधीवादी और सामाजिक कार्यकर्ता हैं, और इन्होने साइकिल यात्रा का संयोजन और नेतृत्व किया.)

नव युग ने ललकारा
है- भारत हमको
प्यारा है.

समस्तीपुर से यात्री दल प्रस्थान करने के पूर्व

4. भाई जी के विचारों से ही नए भारत का निर्माण संभव

यात्रा के दौरान मुझे अनुभव हुआ कि हमारे बिहार के लोग आज भी शांति सद्भावना के साथ अपनी जिंदगी जीना चाहते हैं, लोगों के मन में सर्व धर्म समभाव की भावना है. चंद काली ताकतें हमारी एकता और अखंडता पर खतरा उत्पन्न कर रही हैं तथा भारत माता के आंचल को दागदार करने के प्रयास में लगी हुई हैं.

भाई जी डॉक्टर एसएन सुब्बाराव जी के विचारों से ही नए भारत का निर्माण संभव है और यह विचार बिहार वासियों के दिल में भी हैं. साइकिल यात्रा के दौरान भाई जी के संदेश का, जो पर्चा वितरित किए गए उसे पढ़कर आज भी बिहार के कई जिलों से लोग फोन करते हैं. सभी लोगों के मन में एक ही भावना है कि सभी धर्म सभी जाति के लोग एक साथ मिलकर रहें और विश्व में हमारी जो धर्मनिरपेक्षता की छवि है वह हमेशा बरकरार रहे.

कम समय में ज्यादा यात्रा होने के कारण आम लोगों से ज्यादा संपर्क नहीं हो सका. मेरा मानना है कि अब ऐसी कोई यात्रा हो तो दिन में साइकिल कम चलानी चाहिए और गांव के अंदर लोगों को अपना संदेश ज्यादा से ज्यादा देने के लिए अधिक समय होना चाहिए.

(लेखक- अधिवक्ता संजय कुमार बबलू समस्तीपुर, पूर्णकालिक साइकिल यात्री रहे.)

5. यात्रा एक दिव्य उपहार

बेतिया में गाँधी स्मारक के पास यात्री दल

सन्देश साइकिल यात्रा के दौरान मुझे भारत को गौरवान्वित करने वाले बिहार के महापुरुषों राष्ट्र कवि दिनकर जी, वीर कुंवर सिंह जी, सम्राट अशोक जी, राजेन्द्र प्रसाद जी इत्यादि की कृतियों की जानकारी मिली और उनकी प्रतिमाओं पर फूलमाला चढ़ाने का अवसर मिला. बिहार की पवित्र धरती पर आयोजित इस यात्रा के पश्चात् मुझे पूज्य गाँधी जी और भाई जी के विचारों का प्रत्यक्ष दर्शन हुए. मेरे अन्तर्मन में भी कुछ परिवर्तन का मुझे आभास हुआ.

यात्रा के दौरान यात्री भाई-बहनों से मुझे भरपूर प्रेम, सहयोग और स्नेह मिला. मुझे अपनी कला प्रदर्शन करने का भी सुअवसर मिला. यात्रा के दौरान प्रत्येक प्रमाण पत्र, प्रंशसा पत्र, तौलिया, सम्मान चिह्न एवं साइकिल- मेरे लिए स्वर्ण पदक और दिव्य उपहार था. प्रत्येक स्थान पर विश्राम, भोजन और शयन करने की उच्चस्तरीय व्यवस्था थी. बिहार के पारंपरिक भोजन जैसे दही-चिउड़ा और लिट्टी-चोखा का आनन्द मिला. राष्ट्रीय युवा योजना के पुरातन व वरिष्ट साइकिल यात्रियों के व्यवहार ने युवा साथियों को अति प्रभावित किया.

मोबाइल के डिस्प्ले खराब हो जाने से यात्रा की स्मृतियों को अपने लिए मोबाइल में कैद नहीं कर पाया. जिसके दृश्यों को दिखाकर दूसरों को मैं प्रेरित नहीं कर सकता, जिसका मुझे खेद है. राष्ट्रीय युवा योजना द्वारा आयोजित यह मेरी प्रथम साइकिल यात्रा रही. मुझे गर्व है कि मैंने ओड़िसा का प्रतिनिधित्व किया. मैं इस तरह की शान्ति-सदभावना यात्रा के राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए सदैव तैयार रहूँगा.

(लेखक –गोविन्द चन्द्र सर्राफ, ओडिशा के हैं और पेशे से कलाकार हैं)

6. जन-जन तक शांति व सदभावना का संदेश

स्वतंत्रता सेनानियों के स्मारक के समक्ष यात्री दल

यात्रा के माध्यम से बिहार के 25 जिलों में जन-जन तक शांति व सदभावना के सन्देश का प्रचार-प्रसार ऐतिहासिक रहा. साइकिल चलाकर अपने देश के लिए समर्पण, निष्ठा और देश-भक्ति का जो साहस युवाओं ने दिखाए हैं, वह काबिले तारीफ है.

हर एक जिलों के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र का सांस्कृतिक कार्यक्रम, खानपान, रहन-सहन, बोलचाल, पहनावा, सेवा की भावना और स्वागत का उत्साह जो देखने को मिला वह गजब का था. इससे सभी लोग काफी प्रभावित हुए. बिहार के हर वर्ग द्वारा जो उत्साह दिखाया गया था उससे साइकिल यात्रियों का प्रोत्साहन हुआ और कभी थकान महसूस नहीं हुई.

अलग-अलग राज्यों की भाषा में शांति व सद्भावना के नारों और भाई जी के गीतों से बिहार के लोग काफी प्रभावित हुए. साइकिल यात्रा के माध्यम से विक्रम शिला की धरती भागलपुर, विश्व को शिक्षित करने वाले नालंदा, सीता जानकी की जन्म स्थली सीतामढी, गांधी जी की कर्मभूमि पश्चिम चम्पारण, मुजफ्फरपुर, बुद्ध की धरती गया, तथा पाग और मखाना की धरती मिथिला को देखने का अवसर मिला. श्री शिव शक्ति योगपीठ आश्रम नवगछिया,भागलपुर के संस्थापक स्वामी आगमानंद महाराज ने साइकिल यात्रियों का शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर सम्मान और उत्साह के साथ दिल से दिए गए आशीर्वचनों को भूलाया नहीं जा सकता.

साइकिल यात्रा ने छात्र-छात्राएं, युवा, और बच्चों के बीच उत्साह भर दिया और वहीं बुद्धिजीवियों, महिलाओं और हर वर्ग में अपनी यादगार छाप छोड़ी है. सुबह 4 बजे जगने और युवा गीत गाने का अनूठा अनुभव प्राप्त हुआ. हर एक लोगों को एकजुट करने और सबको अपना बनाने में सर्व-धर्म प्रार्थना का महत्वपूर्ण योगदान रहा. यात्रा के दौरान मूसलाधार बारिश, कड़ी धूप, और ठंड का मजा ही अलग रहा.

(लेखक-**विजय कुमार सिंह यादव भागलपुर**, मैराथन धावक रहे हैं और यात्रा में पूर्णकालिक यात्री रहे.)

7. असुविधा में सुविधा को पाना - एक अलग ही मजा

विद्यालय में छात्र-छात्राओं के साथ यात्री दल

दो वर्ष पहले राष्ट्रीय युवा योजना द्वारा महाराष्ट्र राज्य मे "भाईजी संदेश यात्रा" का सफल आयोजन साथियों के साथ मिलकर किया था. यात्रा की सफलता के बाद बिहार के साथियों ने भी सन्देश यात्रा निकाली, जिसमे शामिल होकर मुझे ख़ुशी हुई. मैं सद्भावना रेल एवं साइकिल यात्रा (1993 , 1995, 1996) और महाराष्ट्र में साइकिल यात्रा का भागीदार रहा हूँ. मैने कभी सोचा नहीं था कि मै इस यात्रा में रोज लगभग 60 किलोमीटर साइकिल चला पाऊंगा? लेकिन मेरे शरीर ने साथ दिया और सभी का उत्साह देख कर यात्रा को संपूर्ण किया. एक दिन तो हमने 90 किलोमीटर साइकिल यात्रा की. मेरे से कम उम्र वाले युवक-युवती यात्रा में सहभागी हुए थे , वो सभी मेरे लिये प्रेरणादायी थे.

यात्रा के दरमियान बारिश हुई , मौसम ठंडा भी हुआ और कड़ी धूप, तो कभी तेज और उलटी दिशा की हवा में साइकिल चलाना बहुत मुश्किल भी था. लेकिन हम सभी साथियों ने राह की मुसीबतों से प्यार कर निसर्ग के साथ दोस्ती की और हर समस्या का हंसते हुए मुकाबला किया.

यात्रा में अलग अलग गांव में रात को विश्राम के लिए होटल, तो कभी स्कूल कॉलेज मे व्यवस्था थी. हैंडपंप के ठंडे पानी से खुले मे नहाना. यात्रा में पेड़ के शीतल छांव में त्रिपाल बिछाकर थोड़ा आराम करना. "असुविधा मे सुविधा" को पाना, यह एक अलग ही मजा था जिससे मुझे बहुत ही आनंद मिला. यह अनुभव मेरे लिए एक अलौकिक सुख प्राप्त करने वाला था.

इस यात्रा में अलग-अलग संस्थाओं द्वारा, गांव के लोगों द्वारा, हमारा जोश पूर्वक स्वागत हुआ, गले में फूलों के हार डालकर हमारा स्वागत होता था, हमें बहुत खुशी मिली. यह हमारा सम्मान नहीं बल्कि भाई जी के विचारों और संदेश का सम्मान था.

यात्रा के दौरान भाई जी के साथ काम कर चुके कई महानुभावों से मिल सका. हमने उनके विचार सुने, उनके अंदर बहुत उत्साह था. सभी ने बहुत प्यार, स्नेह, अपनापन और सम्मान दिया. बिहार के गांव-शहर में हम भाई जी के प्रतिनिधि बनकर भाई जी के विचारो और संदेश को लेकर गये थे.

यात्रा के दौरान मैने अनुभव किया कि बिहार राज्य के लोग बहुत मेहनती है. गरीबी को भी नजदीक से देखा. जुट, चावल का उत्पादन होता है. बाढ़ क्षेत्र को देखा. मैने अनुभव किया कि इस राज्य में ज्यादा से ज्यादा लोग साइकिल चलाते हैं जो प्रदूषण रोकने में कारगर है, यह बहुत अच्छी बात है.

रोज प्रात: चार बजे उठकर तैयार हो जाते थे. सुबह 6.30 बजे युवा गीत "नवजवान आओ रे नवजवान गाओ रे " सामुहिक गीत गाते थे. ये गीत हम सबको प्रेरणा देता था और अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक भी करता है. इस प्रेरणा से रोज हमें साइकिल यात्रा में ऊर्जा मिलती थी.

यात्रा के दौरान मैंने "दही चिउड़ा (पोहा) " खा कर बहुत आनंद लिया, आलू-परवल की सब्जी, तो लिट्टी-चोखा का बहुत स्वादिष्ट था. सत्तू पीने से बहुत एनर्जी भी मिलती है. सुबह नास्ते मे सत्तू की पूडी और सब्जी का खाने का आनंद लिया.

यात्रा के दरमियान कई स्कूलों के बच्चों के साथ "हम बच्चे हिंदुस्तान के" गीत, अलग-अलग नारे और प्रेरणा गीत, सामूहिक खेल सिखाने के माध्यम से बच्चों में राष्ट्रीय एकता, सद्भावना शांति का भाईजी का संदेश देने का मुझे मौका मिला.

रोज शाम को हम सब सर्व-धर्म प्रार्थना करते थे और भाई जी का प्रिय भजन "सबके लिए खुला है " हम सब गाते थे. मैं भाई जी से 1991 में कानपुर युवा शिविर में मिला था. उसके बाद, मैं भाई जी के साथ रहकर मैंने पूरा जीवन समर्पित कर दिया. मेरे मन में एक विचार आया कि रोज सर्व-धर्म प्रार्थना के बाद भाई जी के कार्य और जीवन के बारे मे "भाईजी कथा" के माध्यम से भाई जी का जीवन दर्शन कहा जा सकता है, यात्रा के दौरान मैंने इसकी कोशिश की.

इस यात्रा के लिए पूरे देश भर के बहुत सारे लोगों ने दान किया. हर गांव और शहर मे सभी यात्रियों के रहने, भोजन और कार्यक्रम की बहुत अच्छी तरह से व्यवस्था की. यह यात्रा एक संगठित उपक्रम था, हर एक कार्य में सभी की भागीदारी रही, और साइकिल यात्रा सफल हुई. यात्रा के दौरान भाई जी का प्रिय कार्यक्रम "भारत की संतान " नहीं हो पाया क्योंकि राष्ट्रीय बाल आनंद महोत्सव, लहेरगगा (पंजाब) की तैयारी के लिए जाना पड़ा था. यह साइकिल यात्रा समाप्त नहीं हुई है, वह निरंतर हमारे दिल और मन में है. "भाईजी की संदेश यात्रा" का पहिया हमेशा चलना चाहिए.

(लेखक-नरेन्द्र भाई वडगांवकर (महाराष्ट्र) राष्ट्रीय युवा योजना के भारत की संतान कार्यक्रम के निदेशक हैं कुछ दिनों के लिए यात्रा में सहभागी रहे.)

8. युवा पीढ़ी के प्रकाश स्तम्भ भाई जी और बिहार

हर दिल अजीज भाई जी सामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रेरणा स्रोत हैं . खासकर राष्ट्रीय युवा योजना नई दिल्ली से जुड़े युवाओं के तो दिल में बसते हैं. भाई जी कई पीढ़ी के युवाओं के मार्गदर्शक है. यह गर्व की बात है कि राष्ट्रीय युवा योजना, नई दिल्ली ने हम युवाओं को एक सूत्र में बांध कर सामाजिक मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाया, समाज परिवर्तन की समझ पैदा की. इस महत्वपूर्ण मार्गदर्शन के लिए हम लोग सदैव संगठन और भाई जी के ऋणी रहेंगे वे और युवाओं के प्रेरणा स्तम्भ थे.

भाई जी ने "जाति पांति के बंधन तोड़ो - भारत जोड़ो भारत जोड़ो" का नारा दिया परिणामस्वरुप जातीय हिंसा का माहौल जातीय सद्भाव में बदल गया और फिर वहां अमन-चैन कायम हुई .

"जोड़ो जोड़ो–भारत जोड़ो'; "जांति-पाति के बंधन तोड़ो, भारत जोड़ो–भारत जोड़ो', "एक दूजे के शक को छोड़ो, भारत जोड़ो-भारत जोड़ो', "नफरत छोड़ो दिल को जोड़ो,भारत जोड़ो-भारत जोड़ो', और "दिल को दिल से कौन जोड़ेगा, हम जोड़ेंगे-हम जोड़ेंगे" इत्यादि नारों ने हम सामाजिक कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय एकता के संस्कार से संस्कारित करने के साथ–साथ हमारे अंतर्मन में एकता अखंडता का नया मूल्य बोध भी पैदा किया.

राष्ट्रीय युवा योजना अपने स्थापना काल से ही बिहार में सक्रिय रहा है. 90 के दशक में सद्भावना रेल यात्रा बिहार में बड़ी रेल लाईन से जुड़े सभी स्टेशनो से होकर गुजरी थी और यहां के लोगों तथा युवाओं में नयी उर्जा का संचार किया था. भाई जी के नेतृत्व में संचालित राष्ट्रीय युवा योजना के राष्ट्रीय शिविरों में बिहार के युवाओं की उल्लेखनीय भागीदारी रहती हैं. बिहार में भी राष्ट्रीय युवा योजना द्वारा कई राष्ट्रीय शिविरों का आयोजन हुआ है.

80-90 की दशक में 'मिनी चम्बल' के नाम से कुख्यात चम्पारण के सुदूर इलाकों में कई शिविरों का आयोजन हुआ और ऐसे लोग जो समाज की मुख्य धारा से बाहर चले गये थे, पुन: वापस समाज की मुख्य धारा में आए. इसी तरह जहानाबाद जब जातीय हिंसा से जल रहा था तब वहां पर राष्ट्रीय शिविर का आयोजन हुआ. भाई जी ने "जाति पांति के बंधन तोड़ो – भारत जोड़ो भारत जोड़ो" का नारा दिया परिणामस्वरूप जातीय हिंसा का माहौल जातीय सद्भाव में बदल गया और फिर वहां अमन-चैन कायम हुई .

शहीद खुदीराम बोस की शहादत भूमि मुजफ्फरपुर में आयोजित राष्ट्रीय शिविर में 22 राज्य के युवक - युवतियों ने भाग लिया. माँ जानकी (सीता मैया) की जन्मभूमि सीतामढ़ी में भी राष्ट्रीय शिविर आयोजित हुआ था. भारतीय परम्परा में स्त्रियों की विशिष्ट और महत्वपूर्ण भूमिका का रेखांकन इस शिविर की विशिष्टता थी. सिक्ख धर्म के दसवें धर्मगुरु श्री गुरुगोविन्द सिंह जी के पावन प्रकाशोत्सव पर्व पर पटना में राष्ट्रीय शिविर आयोजित हुआ था. इन

शिविरों का बहुत ही सकारात्मक प्रभाव बिहार के स्थानीय लोगों पर हुआ.

मुजफ्फरपुर में साइकिल यात्रा

डा.एस.एन.सुब्बा राव (भाई जी) सन्देश साइकिल यात्रा 6 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर पहुंची. मुजफ्फरपुर के मीनापुर प्रखण्ड में डा. रामेश्वर प्रसाद ने यात्रियों का स्वागत किया. ब्लू डायमंड रिसोर्ट, गरहां, मुजफ्फरपुर निदेशक श्री विकास भट्ट ने रिसोर्ट में सभी यात्रियों के सम्मान में समारोह आयोजित की और रात्रि विश्राम की व्यवस्था की. सभी यात्रियों को प्रयत्न (सामाजिक संगठन) की ओर से स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया. समरोह में श्री रामसूरत राय, माननीय पूर्व राजस्व मंत्री ने उपस्थित होकर यात्रियों का सम्मान किया और आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी. पुनः 7 अक्टूबर को यात्रियों ने समस्तीपुर के लिए प्रस्थान किया. मुजफ्फरपुर की हृदय स्थली टावर चौक पर श्री अर्जुन गुप्ता, जवाहरलाल रोड में श्रीमती ऊषा झा, हाथी चौक पर श्रीमती निर्मला साहू, मेयर मुज़फ़्फ़रपुर, नरौली चौक पर श्री अभय कुमार सिंह ने साइकिल यात्रियों का स्वागत किया. पिलखी में श्रीमती प्रज्ञा कुमारी ने यात्रियों के दोपहर भोजन के साथ ही कार्यक्रम का भी आयोजन किया. डा.हेमनारायण विश्वकर्मा एवं मुरौल प्रखंड प्रमुख श्री मनोज राय ने ढोली कॉलेज चौक पर मुजफ्फरपुर से यात्रियों का विदाई समारोह आयोजित किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में हमारे एन.वाई.पी के वरिष्ठ साथी श्री मुकेश चन्द्र झा, श्री आनंद कुमार, श्री केशव पाण्डे, श्री रामबाबू भक्त, श्री मुकेश कुमार ठाकुर, श्री रजनीश झा, श्री विकास रंजन, श्री संजय प्रधान, श्री विनय कुमार प्रशांत, श्री अमित चंद्र चौधरी, विकास कुमार, श्रीमती शिवानी, श्री कृष्णा कुमार, श्री विक्रम जयनारायण निषाद, श्री सोनू सरकार और श्री प्रवीण कुमार की भूमिका सराहनीय रही.

(लेखक-**प्रभात कुमार**, मुजफ्फरपुर, बिहार राष्ट्रीय युवा योजना बिहार और प्रयत्न संस्था से जुड़े हैं साथ ही आयोजन समिति के सदस्य रहे.)

विद्यालय में बच्चों के बीच यात्रा के एन वाई पी के संस्थापक ट्रस्टी रन सिंह परमार

9. साइकिल यात्रा की रोचक कहानियां

तमाम कोशिशों के बाद यात्रा के शुरुआत में नहीं जुड़ पाया लेकिन यात्रा के भागलपुर पहुँचने पर मैं भी यात्रीदल के स्वागत में शामिल था. दल में कम उम्र के भागीदारों को देखकर मैं भी उत्साहित हुआ और अपनी इच्छा जाहिर की. यात्रा संयोजक से चर्चा के बाद अंतत: मैं भी यात्रा से जुड़ गया.

साइकिल यात्रा जब मुंगेर पहुंची तो गांधी के विचारों पर चलने वाले राजीव रंजन जी ने हमारा स्वागत किया. मुंगेर में रहने और खाने का प्रबंध उन्होंने अपने घर पर ही किया था. उन्होंने अपने माता-पिता की प्रतिमा घर में स्थापित की है. कोरोना काल के समय में कुछ ही दिनों के अंतराल में उनके माता-पिता का देहांत हो गया था. राजीव जी सुबह उठते ही सबसे पहले माता-पिता का दर्शन करते हैं. जीवन में मुझे पहली बार मुझे ऐसा देखने और सीखने को मिला, यह एक अनूठा उदहारण था. यह देखकर मुझे अच्छा लगा.

यात्रा के दौरान, एक जगह पीपल की छाँव में यात्री आराम कर रहे थे . समीप में एक मंदिर में बैठकर लिट्टी चोखा खा रहे हैं. जब ठेला के पास हम लोग नाश्ता कर रहे थे तो एक व्यक्ति ने अवलोकन करते हुए पाया कि बहुत सारी साइकिलें खड़ी हैं. वह अपने गाड़ी से उतरकर यात्रीदल से बातचीत कर बहुत प्रभावित हुए. उन्होंने आग्रह पूर्वक यात्रियों के नाश्ते का खर्च वहन किया. इतना ही नहीं, वे हमारे साथ एक किलोमीटर तक साइकिल चलाकर सभी के साथ चलें. फिर अपनी गाड़ी से आगे-आगे हम लोगों को मार्गदर्शन ट्रैफिक की व्यवस्था करते हुए उन्होंने हम लोगों को बाय पास तक छोड़ा. वह वहां के अध्यक्ष थे. यह अच्छे काम के प्रति सम्मान और सहृदयता का बढ़िया उदहारण था.

(**लेखक-सुभाष कुमार प्रसाद** ने यात्रा में भागलपुर के बाद जुड़कर यात्रा की.)

10.कठिन रास्ते लेकिन हौसले बुलंद

यात्रा में निकले तो प्रकृति की विविध परीक्षाओं से हम सभी को गुजरना पड़ा . कभी तेज बिजली कड़क कर यात्रियों को डराती, तो कभी मूसलाधार बारिश यात्रियों का हिम्मत तोड़ना चाहती थी. ऐसी घड़ी में रवि महाराज (सूर्य) पीछे क्यों रहते उन्होंने भी साइकिल यात्रियों के हौसले पस्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ी . सभी यात्री बरसात के पानी में हुए उमस भरी गर्मी (चिलचिलाती गर्मी) जिससे कोई भी आदमी ऊब कर बचने के लिए आराम करने बैठ जाए या यात्रा को बीच रास्ते में छोड़कर लौट जाए. लेकिन मजाल नहीं ये प्राकृतिक विपदाएं हमारा मनोबल तोड पाएं , रन सिंह भाई और अशोक भाई के नेतृत्व और सानिध्य ने उन लोगों का साथ-साथ साइकिल चलाने का जज्बा हम सभी यात्रियों के हौसलें को बुलंद किया. गन्तव्य तक पहुँचने में एक निश्चित दूरी पर पड़ाव निर्धारित था किन्तु कभी-कभी उस निश्चित दूरी से ज्यादा भी दूरी तय करनी पड़ती थी मगर, जब यात्री दल पड़ाव पर रुंकते थे तो जाति-धर्म के भेदभाव के बिना ग्रामीणों द्वारा स्वागत और उत्साह से सारी थकावटें मिट जाती थी. कुछ शैतानी मिजाज के लोगों ने साइकिल यात्रियों को बहकाने और उनमें टकराव कराने की कोशिश भी की. किन्तु भाई जी से प्रेरित युवा यात्रियों को कोई भी बाहरी ताकत डिगा नहीं सकी और न कोई अनहोनी होने दी.

साइकिल यात्रा में पथ प्रदर्शन या यातायात अथवा सुरक्षा हेतु पुलिस प्रशासन एवं प्रचार-प्रसार में मीडिया का सहयोग कम ही देखने को मिला. बहुत सारी सोशल मीडिया शान्ति सदभावना साइकिल यात्रा के फोटो और वीडियो कई लोगों ने पोस्ट किये थे. भाई जी से जुड़े कार्यकर्ता देश भर और दुनिया में हैं, जिनका सहयोग मिला. यह सारे पोस्ट हमेशा जीवंत बने रहेंगे.

भाषाई भेदभाव को समाप्त करने के लिए भाई जी ने "सर्व भाषा-मम भाव" का मन्त्र दिया था. यात्रा के दौरान शाम को जब सभी अपने-अपने स्थान पर बैठे होते तो, केरला के फवाद भाई, ओडिसा के गोविन्दम् और तमिलनाडु के मुदालबन से हिंदी भाषाई यात्री उनकी भाषा को सीखने की कोशिश करते. वे साथी भी हमारी भाषा को बोलने लगे थे.

> भाई जी से प्रेरित युवा यात्रियों को कोई भी बाहरी ताकत डिगा नहीं सकी और न कोई अनहोनी होने दी.

यात्री दल द्वारा आस-पास के विद्यालय में बच्चों और ग्रामीणों के बीच भाई जी के प्रेरणादायक गाना, नारे और कहानी सुनाकर प्रेरित किया जाता था और भाई जी के संदेशों को दिया जाता था. साइकिल यात्रियों को ग्रामीण जनता से डा. एस. एन, सुब्बाराव ''भाई जी'' के जीवनी के बारे में परिचर्चा या बातचीत का भरपूर मौका नहीं मिल सका . ऐसे में आयोजन मण्डली और राष्ट्रीय युवा योजना के सचिव रन सिंह भाई से अनुरोध रहेगा कि भविष्य में यदि देश के किसी भी कोने में इस तरह का कार्यक्रम होता है तो उसमें भाई जी बड़े-छोटे छाया चित्र, बैनर, एवं उनकी जीवनी पर (लघु/बृहद) पुस्तक वितरण हेतु साथ में रखा जाए तथा प्रत्येक पड़ाव पर ज्यादा समय देकर अपने एवं उनके विचारों का आदान-प्रदान कर किसी पंजी में संधारित किया जाय.

(लेखक- संजय प्रधान मुजफ्फरपुर, बिहार के राष्ट्रीय युवा योजना से जुड़े हैं .)

यात्री दल में पिता पुत्र भी शामिल रहे . संजय प्रधान और उनके पुत्र हर्षवर्धन

11. सद्भावना का सन्देश और सम्मान

यात्री दल में शामिल लड़कियां यात्रा का नेतृत्व करते हुए

भाई जी एक ऐसे व्यक्ति थे, जो गोधरा, भागलपुर का दंगा हो या उत्तराखंड के भूकंप, कंधमाल की हिंसा हो अथवा मुंबई का आतंकी हमला, या चंबल में शांति स्थापना का कार्य सब जगह भाई जी अपनी युवा टोली के साथ शांति, मैत्री एवं सद्भावना का संदेश लेकर हाजिर रहते थे . जब 11 राज्यों से आये हम युवक-युवतियाँ एक परिवार बनकर पंक्तिबद्ध साइकिल से चलते तो लोगों को शांति, एकता एवं सद्भावना की सीख मिलती और लोग सहृदय यात्रा से जुड़कर भाई जी के सन्देश को आगे बढ़ाते. लोगों द्वारा हर जगह मान-सम्मान, स्नेह-प्यार, सम्मान चिन्ह, वस्त्र, प्रमाण-पत्र आदि स्वाभाविक रूप से मिलता था. अंत में मुझे पटना में सभी यात्रियों के साथ साइकिल का मिलना मेरे लिए स्वर्णपदक जैसा था. जिसको मैं साथ लेकर यात्रा में चलती थी, और अपनी साइकिल का नाम मैंने हेलीकॉप्टर साइकिल रखा था. यात्रा के दौरान सभी यात्री साथियों के साथ अपनी सात सहेलियों मोकामा की कृतिका, नालंदा की साइकिल गर्ल अपर्णा, पटना की संगीता, तन्नु, आकांक्षा और शेखुपुरा से पूजा के साथ मैंने यात्रा और पटना में आयोजित शिविर का खूब मजा लिया.

जब 11 राज्यों से आये हम युवक-युवतियाँ एक परिवार बनकर पंक्तिबद्ध साइकिल से चलते तो लोगों को शांति, एकता एवं सद्भावना की सीख मिलती और लोग सहृदय यात्रा से जुड़कर भाई जी के सन्देश को आगे बढ़ाते.

यह मेरी प्रथम ऐतिहासिक साइकिल यात्रा रही. मैं खुशनसीब हूं कि मुझे डॉ. एस. एन सुब्बाराव जी साइकिल यात्रा जो बिहार की ऐतिहासिक यात्रा रही ऐसी पवित्र यात्रा से मुझे जुड़ने

का सौभाग्य प्राप्त हुआ. विश्व मानव सेवा केंद्र नरकटियागंज में साइकल यात्रियों के प्रशिक्षण शिविर में श्री शत्रुघ्न झा जी ने आश्रम और गांधी जी के बारे में बहुत सारी बातें बतायीं. आश्रम में गरीब बच्चे पढ़ते हैं . बच्चों में गांधी विचारों की झलक देखने को मिली. उनसे बहुत कुछ सीखने को भी मिला. यहां के बच्चों ने आम के पत्तों से बनाई गई टोपी पहनाकर हमारा स्वागत किया. यह प्रकृति की सुन्दरता और संरक्षण का महत्वपूर्ण सन्देश था.

सुब्बारावजी के विचारों शांति, एकता, सद्भावना, भाईचारा, और सर्व-धर्म भावना को जन-जन तक पहुंचना काफी सराहनीय रहा. मैं मानती हूं कि ईश्वर ने स्त्री को शांति और अहिंसा का प्रतिनिधित्व करने के लिए ही पैदा किया है. अहिंसा का अर्थ है "असीम प्रेम' और प्रेम का अर्थ है "कष्ट सहन करने की क्षमता'. वह सब इस यात्रा में अनुभव किए. इस साइकिल यात्रा ने हजारों लोगों को प्रेरित और प्रभावित किया.

मोतीहारी में पकडीदयाल गांव में एक ऐसे बुजुर्ग दादा जी थे, जो 93 साल की उम्र में आज भी गांधी जी के विचार, सुब्ब राव जी के विचारों को लेकर प्रचार-प्रसार कर रहे हैं. भागलपुर में एक ऐसे कॉलेज में गए जिसका संचालन मुस्लिम एजुकेशन कमेटी, भागलपुर करता है, किन्तु यहां हिंदू-मुस्लिम सभी एक साथ बिना किसी भेदभाव के पढ़ते है.

प्रत्येक दिन शाम को सर्व-धर्म प्रार्थना होती थी और भोजन ग्रहण करने के पूर्व मन्त्र बोलते थे- "साथ में खेलें - साथ में खाएं , साथ में करें- हम अच्छे काम, जब तक सबका-भला न होगा, नही करेंगे-हम आराम, आज का खाना- बहुत अच्छा, बनाने वाला सबसे अच्छा, परोसने वाला- बहुत अच्छा, खाने वाला- बहुत अच्छा". इसको कहकर ही सभी लोग साथ में भोजन करते थे.

(*लेखिका शिवानी उर्फ़ ट्विंकल* मुजफ्फरपुर, बिहार यात्रा में भागीदार रही.)

दिनभर की सायकिल यात्रा के बाद प्रत्येक दिन होने वाली सायंकाल सर्व धर्म प्रार्थना

12. मां जानकी की पूजन के पूर्व गांधी जी की पूजा

हम सभी को अचंभित करने वाले पल भी थे. गांवों से गुजरते हुए आज भी गांवों के मुहाने पर गंदगी देखने को मिली, जहां से गुजरना मुश्किल होता था . यह स्वच्छ भारत मिशन पर प्रश्नवाचक चिन्ह था. गांवों के अन्दर सभी में साथ रहने की भावना, भाई चारा, और प्रेम देखने को मिला. रात्रि के पड़ावों में हमें कई अनुभव प्राप्त हुए. साधारण जीवन शैली में रहने व जीवन-यापन करना और उच्च शैली व्यवस्था भी नजदीक से देखने को मिली.

एक दृश्य ऐसा भी देखने को मिला जो हम सभी के लिए प्रेरणादायक था. एक गांव में मां जानकी मंदिर के प्रवेश द्वार पर गांधी जी की प्रतिमा है. लोग पहले गांधी जी की पूजा करते हैं और बाद में मंदिर में मां जानकी की. स्थानीय लोगों ने यह बताया कि जब तक गांधी जी का पूजन नहीं होता तब तक मां जानकी की पूजन पूर्ण नहीं मानी जाती. बिहार में स्त्रियां पूरे परिवार के साथ मिलकर निजी रोजगार और खेती में लगी हैं. देश की तरक्की हो रही है पर अंतिम व्यक्ति को क्या मिल रहा है ? इसका भी प्रत्यक्ष दर्शन हुआ. गांधी जी के विचारों की प्रासंगिकता आज भी है. गांधी विचारों से ही देश की वर्तमान स्थिति को बदला जा सकता हैं. बुद्ध के विचारो का प्रभाव देखा. भारत की संस्कृति और ज्ञान की झलक भी यात्रा के दौरान देखने को मिली.

(*लेखक - उमेश कुमार तुरी धनबाद,* झारखण्ड एक सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं और यात्रा में पूर्णकालिक रहे.)

13. धैर्य और साहस की सीख

कुछ कारणवश तैयारी बैठक में भाग नहीं ले सका, लेकिन सभी जानकारी बड़े भाई मुकेश झा जी से पता चल गयी. विश्व मानव सेवा आश्रम नरकटियागंज में प्रशिक्षण शिविर के बाद सभी यात्रियों को साइकिल मिली , आश्रम में सर्वधर्म प्रार्थना के बाद साइकिल यात्रा प्रारंभ हुई. भितिहरंवा से चलते समय बारिश शुरू हो गई जो कि अगले पड़ाव तक जारी रही. यात्रा के दौरान मुश्किलों के बीच खुशियों के पल भी थे. 25 जिलों की यात्रा करते हुए पटना पहुँच गए और 25 दिन कैसे बीत गए, पता ही नहीं चला. यात्रा का अंतिम पड़ाव में जिस स्कूल में ठहरने की व्यवस्था थी, उसकी दशा ठीक नहीं थी. इसलिए हम लोग अंतिम पड़ाव के लिए पटना ही पहुँच गए थे. समापन के अवसर पर विभिन्न राज्यों से आए राष्ट्रीय युवा योजना के पदाधिकारी एवं भाई-बहनों ने भरपूर स्वागत किया.

भाई जी के त्याग और समर्पण ने एक बहुत बड़े परिवार को जन्म दिया है, जहाँ उनकी तरह के ही लोग हैं , इसका प्रत्यक्ष अनुभव यात्रा के दौरान हुआ. यात्रा के बीच विभिन्न जिलों में विभिन्न संगठनों एवं भाई जी से जुड़े साथियों द्वारा किया गया आत्मीय स्वागत हमको अच्छाइयों पर चलने की नसीहत देता है. समापन से पूर्व सभी साइकल यात्रियों को साइकिल दी गयी. विष्णु कुमार जी के साथ मैंने पटना से मुजफ्फरपुर आते हुए वैशाली जिला पार कर लिया. साइकिल यात्रा के अनुभवों ने कठिन परिस्थितिओं में भी धैर्य पूर्वक साहस के साथ अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कार्य जारी रखने की सीख प्रदान की.

(लेखक – विक्रम जयनारायण निषाद ,बिहार के एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं और यात्रा में पूर्णकालिक रहे.)

14. साइकिल यात्री

बिहार शरीफ में रात को पहुंचे यात्री दल का सामूहिक फोटो

यात्रा में राष्ट्रीय युवा योजना के संस्थापक ट्रस्टी और सचिव रन सिंह परमार, सन्देश यात्रा के संयोजक अशोक भारत, ट्रस्टी मधुसूदन दास, कार्यालय सचिव धर्मेंद्र भाई, भारतीय बहुभाषा गीत के निदेशक नरेंद्र भाई , यात्रा के राज्य संचालन समिति के सदस्य सुनील सेवक , संजय कुमार बबलू, दीपक कुमार , नीरज कुमार , प्रभात कुमार , मुकेश चन्द्र झा, रोहित कुमार, कुमुद, सुधीर मिश्रा, केशव पाण्डेय, और एम. मुदलवन, ओम केशव सिंह कीर्ति, पूजा कुमारी, शिवानी कुमारी, आकांक्षा, तन्नु कुमारी, संगीता कुमारी, सुजल कुमार, फवाद, गोविंदा शराफ, राष्ट्रीय युवा योजना के शीतल जैन, रवि प्रकाश, हर्षवर्धन, विष्णु कुमार , सुमित कुमार महतो, उमेश तुरी , विकास कांत, विशाल जैन, विक्रम जयनारायण निषाद, विजय कुमार धावक, सुभाष कुमार, हरिशंकर गौड़ा, रामबाबू , यादव राजू , अनामिका कुमारी, अमीषा कुमारी, नारायण सिंह , दिनेश सिंह सिकरवार, शांतनु कुमार, आदित्य कुमार, हिमांशु शर्मा , अर्पणा , संजय कुमार प्रधान, सरोज कुमार, बालमुकुंद, सुश्री प्यारी जान आदि शामिल थे. यात्रा में दिल्ली, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना , कर्नाटक, महाराष्ट्र , मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओड़िसा , बंगाल एवं बिहार के 50 युवक – युवतियों ने भागीदारी की.

15. यात्रा की तैयारी

यात्रा की पृष्ठभूमि

भाई जी के स्वर्गवास के बाद, उनके सन्देश और विचार के प्रचार प्रसार के लिए महाराष्ट्र में कलश यात्रा निकाली गयी थी. यात्रा में राष्ट्रीय युवा योजना के स्व. गोरख नाथ बेताल, धर्मेंद्र भाई, हनुमंत देसाई आदि साथियों ने नरेन्द्र भाई के संयोजन में शामिल हुए. यात्रा के सेवाग्राम कार्यक्रम के दौरान इस तरह की यात्रा बिहार में भी करने पर चर्चा हुई जिसमे अशोक भारत भी मौजूद रहे.

यात्रा की तैयारी के लिए राष्ट्रीय युवा योजना से जुड़े पदाधिकारियों और सदस्यों की बैठक - मुजफ्फरपुर

यात्रा की तैयारी बैठक

राष्ट्रीय युवा योजना के द्वारा बिहार के अनेक साथियों से बातचीत की गयी और इस सन्दर्भ में एक ऑनलाइन बैठक 11 जुलाई 2023 को हुई. जिसमें बिहार में भाई जी संदेश यात्रा निकालने का निर्णय हुआ. इसके अनुश्रवण में एक और बैठक 16 जुलाई 2023 को हुई. यात्रा की पूर्व तैयारी के लिए बिहार की राजधानी पटना में 5-6 अगस्त, 2023 को बैठक हुई जिसमे राष्ट्रीय युवा योजना के रन सिंह परमार सहित धर्मेंद्र भाई, वाराणसी से चन्द्र भूषण मिश्र, उत्तराखंड से गीता बहन और बिहार के 12 जिलों से 65 साथी शामिल हुए . इस बैठक में 2 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक भाई जी संदेश साइकिल यात्रा में निकालने का निर्णय हुआ और यात्रा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा कर यात्रा के मार्ग, पड़ाव, तिथि, यात्रा में शामिल होने वाले युवाओं की संख्या एवं अनुमानित बजट आदि तय किए गए . यात्रा के लिए नेतृत्व के लिए अशोक भारत एवं सुनील सेवक को चुना गया और सर्वसम्मति से अशोक भारत को यात्रा का संयोजक बनाया गया. यात्रा के लिए अशोक भारत, सुनील सेवक, प्रभात कुमार, नीरज कुमार, मुकेश चंद्र झा , संजय कुमार बबलू, दीपक कुमार, प्रेम कुमार को शामिल कर एक राज्य स्तरीय समिति

गठित की गयी जिसमें चार अन्य सदस्यों केशव पांडे, सुधीर मिश्रा, रोहित कुमार एवं कुमुद को शामिल किया गया. यात्रा पूर्व एक प्रशिक्षण शिविर नरकटियागंज के विश्व मानव सेवा आश्रम में किया जाएगा और यात्रा की शुरुआत गांधी जी की कर्मभूमि पश्चिम चंपारण के भितिहरवा आश्रम से की जायेगी. यात्रा के लिए साधन और संसाधनों की व्यवस्था जनभागीदारी से करने का निर्णय लिया गया.

यात्रा के संयोजक अशोक भारत जी बताते हैं कि कुछ कारण वश पटना की बैठक में शामिल नहीं हो सका था. लेकिन सभी बातों की जानकारी मुकेश झा से मिली. उनके मन में यात्रा मार्ग की तैयारी, साइकिल यात्रा से जुडी कठिनाइयों को सोच कर मुश्किल होता था.

यात्रा के दौरान विचार गोष्ठी

चुनौतियां

अशोक भारत जी कहते है कि "भाई जी संदेश साइकिल यात्रा बिहार में निकालना कोई आसान काम नहीं था, मगर यह इतना कठिन और चुनौती पूर्ण होगा इसका एहसास भी उनको नहीं था. लगभग एक महीने की इस यात्रा का मार्ग और पड़ाव, कार्यक्रम और व्यवस्था बनाना मुश्किल था". फिर लगभग एक महीने के लिए युवाओं को साइकिल यात्रा के लिए तैयार करना भी कम चुनौती पूर्ण नहीं था. साइकिल यात्रा और वाहन यात्रा के आयाम अलग-अलग होते हैं. यात्रा के आयोजन से जुड़े अधिकांश लोगों को इस तरीके के साइकिल यात्रा का अनुभव नहीं था. इसलिए यह और भी चुनौती पूर्ण था. जिन मार्गो से यात्रा गुजरी उनमें लगभग 8-10 जिलें ऐसे थे, जहां भाई जी से जुड़े या राष्ट्रीय योजना परिवार के साथी मौजूद थे, जो यात्रा पहुंचने पर स्वागत और कार्यक्रम कर सकते थे. जबकि यात्रा तो 26 जिलों से गुजरने वाली थी. वहां कार्यक्रम और यात्री दल के स्वागत की व्यवस्था करना भी कम चुनौती पूर्ण नहीं था.

टीम द्वारा भ्रमण

भाई जी संदेश यात्रा की पूर्व तैयारी के क्रम में बिहार के लगभग 26 जिलों का भ्रमण एक टीम ने किया. टीम के सदस्यों को लगता है कि भाई जी की चेतना सूक्ष्म रूप में हमेशा साथ थी, इसलिए सारी व्यवस्था बड़ी सहजता से हो सकी और यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई . इन जिलों में ऐसे लोग जो भाई जी से या राष्ट्रीय युवा योजना से जुड़े

थे, उन्होंने यात्रा और यात्री दल का स्वागत करने का भरोसा दिया और उन लोगों ने भी पूरे उत्साह और हार्दिकता से स्वागत करने का आश्वासन दिया जो न कभी भाई जी मिले थे और न ही राष्ट्रीय युवा योजना से जुड़े थे. इस तरह यात्रा मार्ग, पड़ाव और कार्यक्रम का निर्धारित किया गया.

साइकिल यात्रियों का चयन

राष्ट्रीय युवा योजना के द्वारा यात्रियों के चयन के लिए एक फार्म सभी राज्यों के वरिष्ट साथियों को भेजा गया. सीमित संसाधनों के मद्देनजर साइकिल यात्रियों की संख्या 30 निर्धारित की गयी. पूरे एक महीने के लिए युवाओं को तैयार करना आसान नहीं था . वह भी तब, जब यात्रा के दौरान ही नवरात्रि का पवित्र त्यौहार हो. राज्य संचालन समिति यात्रा के संयोजक अशोक भारत और राष्ट्रीय युवा योजना के द्वारा संयुक्त रूप से साइकिल यात्रियों का चयन कर उनको यात्रा पूर्व प्रशिक्षण, यात्रा मार्ग की जानकारी और जरूरी सामान लेकर विश्व मानव सेवा आश्रम नरकटियागंज आने के लिए सूचना दी गई.

भागलपुर में यात्री दल

साधन और संसाधनों के लिए दान की अपील

भाई जी सन्देश साइकिल यात्रा की दूसरी बड़ी चुनौती यात्रा और यात्रा के दौरान होने वाले खर्चों के लिए धनराशि की व्यवस्था करना था. इसके लिए दो प्रकार के खर्च सामने थे. एक तो यात्रा के पूर्व और दूसरे यात्रा के दौरान होने वाले खर्च, जैसे यात्रा पूर्व तैयारी और शिविर, साइकिल, और यात्रियों के सामान को ढोने के लिए वहां की व्यवस्था, प्रचार प्रसार सामग्री, यात्रियों के लिए कपड़े इत्यादि. यात्रा के लिए सबसे महत्वपूर्ण और जरूरी एक अच्छी गुणवत्ता की साइकिल सभी यात्रियों के लिए चाहिए थी, जो लम्बे समय और दूरी तक चलने के लिए टिकाऊ हो. इसके लिए राष्ट्रीय युवा योजना की ओर से यात्रा में मदद और सहयोग के लिए एक अपील जारी की गयी और उसे भाई जी को जानने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं, संस्था और संगठनों तक ई-मेल और व्हाट्स एप के माध्यम से भेजा गया. कुछ राशि नरकटिया गंज स्थित साइकिल की दुकान के पास सीधे दान दाताओं से कहकर भेजी गई ताकि साइकिल की व्यवस्था की जा सके. राष्ट्रीय युवा योजना के संस्थापक ट्रस्टी और सचिव रन सिंह परमार बताते हैं कि "शुरुआत

में राशि एकत्रित करना बहुत मुश्किल लग रहा था, किन्तु बहुत सारे शुभेच्छुओं के दान के लिए आगे आने से देर से ही सही किन्तु यात्रा के साधनों और संसाधनों की व्यवस्था कर ली गयी". इसके लिए एक व्हाट्स एप समूह भी बनाया गया जिसमें दान देने वाले साथी अपनी जानकारी से अवगत करा रहे थे. यात्रा के बाद इस कार्य के लिए एकत्र की गयी धनराशि और खर्च धनराशि के बारे में आयोजन समिति के सदस्यों को अवगत कराते हुए पूरे हिसाब को प्रस्तुत भी किया गया था.

मुजफ्फरपुर में यात्री दल

यात्रियों को दी गयी वस्तुएं

साइकिल यात्रा के साथियों को चलने के लिए एक साइकिल, पीने के पानी के लिए एक बोतल और एक कपड़े का झोला सहित एक टी-शर्ट दी गयी थी. सभी यात्रियों के सामान को रखने के लिए एक वाहन मेटाडोर की व्यवस्था भी साथ में की गयी थी जिससे कि सामान के बोझ बिना साइकिल चलाई जा सके. मेटाडोर के आगे पीछे बैनर लगाकर सजाया गया था. इस वाहन में सभी यात्रियों के सामान रखे होते थे. बिछाने के लिए कुछ दरी, तिरपाल और आकस्मिक रूप से खाना बनाने की स्थिति में कुछ राशन और बर्तन व चूल्हे की भी व्यवस्था की गयी थी. हालाँकि पूरी यात्रा के दौरान भोजन और नास्ता स्थानीय स्तर पर ही हो गयी थी.

दैनिक भास्कर मधेपुरा / सुपौल भास्क 12-10-2023

1300 किमी यात्रा कर 30 साइकिल यात्रियों ने दिया शांति का पैगाम

30 युवा बिहार के 25 से अधिक जिलों में सुब्बाराव के संदेश फैला रहे

मुरलीगंज पहुंचे साइकिल यात्री दल का किया गया भव्य स्वागत

यात्रा पूर्व प्रशिक्षण शिविर

साइकिल यात्रियों का प्रशिक्षण शिविर नरकटियागंज में 30 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2023 को विश्व मानव सेवा आश्रम में आयोजित किया गया. भाई जी संदेश यात्रा के वैचारिक व व्यवहारिक पक्ष, यात्रा के नियम और कठिन स्थिति में रहने की यात्रियों के मानसिक तैयारी के लिए यह शिविर बहुत ही मत्वपूर्ण था.

विश्व मानव सेवा आश्रम, नरकटियागंज में छात्राओं द्वारा तकली से सूत कताई

विश्व मानव सेवा केंद्र में गांधी जी के नई तालीम पद्धति से छात्रों का शिक्षण होता है . यहां के छात्रों की दिनचर्या सुबह चार बजे शुरू होती है. जब सभी एक साथ सूत की कटाई तकली और चरखा से करते हैं तो बड़ा ही मनोरम दृश्य होता है . यहां बच्चे अपने हाथों से बनी हुई सूत का ही कपड़ा पहनते हैं. यहां पढ़ने वाले बच्चे भूमिहीन मुसहर जाति के हैं. छात्र ही आश्रम की पूरी व्यवस्था संभालते हैं. यहां भाई जी ने राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना शिविर भी आयोजित की थी. भाई जी का जुड़ाव इस आश्रम से था. यात्रा में आश्रम के प्रमुख श्री शत्रुघ्न झा का सहयोग और प्रेम बहुत ही प्रेरणादायक और ऊर्जा देने वाला था.

16.यात्रा मार्ग और पड़ाव

दिनांक	कार्यक्रम विवरण
30 सितम्बर एवं 1 अक्टूबर	साइकिल यात्रियों का प्रशिक्षण शिविर, विश्व मानव सेवा केंद्र, नरकटिया गंज (श्रीशत्रुघ्न झा 9931639131)
2 अक्टूबर 2023	**भितिहरंवा आश्रम**, (श्री दीपेन्द्र वाजपेयी 9470091233), (श्री सुधीष्ठ जी 8757149284) **से नरकटियागंज**, (श्री शत्रुघ्न झा 9931639131) , **से बेतिया** (श्री पंकज जी 9470091177) (प्रो.शम्शुल हक 7994024656)- दूरी 55 किमी
3 अक्टूबर 2023	**बेतिया से सुगाव**, (श्री अवधेश झा 9934491106) **से मोतिहारी** (श्री विनय कुमार 8521575300)-दूरी 45 किमी
4 अक्टूबर 2023	**मोतिहारी से पकड़ीदयाल** (श्री नारायण मुनि) (श्री प्रमोद जी 9934730691) (श्री अविनाश 7576657803) (श्री प्रभु 8083139915) **से लालगढ़, (शिवहर)** (श्री अमरेन्द्र त्रिवेदी 9934619611)-दूरी 50 किमी
5 अक्टूबर 2023	**लालगढ़ से शिवहर** (श्री सुधीर मिश्रा 62018850048) **से सीतामढ़ी** (श्री सुधीर मिश्रा 62018850048)- दूरी 45 किमी
6 अक्टूबर 2023	**सीतामढ़ी से रुन्नी सैदपुर** (श्री महामाया 7903772896 9470020327) **से मुजफ्फरपुर** (श्री विक्रम जयनारायण निषाद 8709889442) (श्री अर्जुन गुप्ता 8083311058)- दूरी 60 किमी
7 अक्टूबर 2023	**मुजफ्फरपुर से पिलखी** (श्रीमती प्रज्ञा जी 9934296267) **से समस्तीपुर** (संजय कुमार बबलू 8210476913)- दूरी 56 किमी
8 अक्टूबर 2023	**समस्तीपुर से सिंघियाघाट से माहेसिंघिया** (श्री शुभमूर्ति 7782965995), (श्री रामउद्गार महतो 9835165290) (श्रीरामदेव महतो 9934249062) दूरी 31 किमी
9 अक्टूबर 2023	**माहेसिंघिया से बिरौल सहरसा** (श्री अवधनारायण यादव 9931299210) (श्री अरविन्द झा 9905405381, 9931299210) दूरी 53 किमी
10 अक्टूबर 2023	**सहरसा से मधेपुरा** (श्री सुधांशु शेखर 9934629245) (रोहित 7667949411) **से मुरलीगंज** (श्री संदीप यादव 7979954265) दूरी 45 किमी
11 अक्टूबर 2023	**मुरलीगंज से जानकी बाज़ार से पूर्णिया** (श्रीमती संतोष भारत 6206847507), 7979954265) (श्रीमती मीनाक्षी 8299340345) दूरी 55 किमी
12 अक्टूबर 2023	**पूर्णिया से रानीपत्रा** (श्री सुमित प्रकाश 9709560375) **से बरारी बाज़ार** (श्री सतीश सिंह 9431640935) दूरी 50 किमी
13 अक्टूबर 2023	**बरारी बाज़ार से कुरसेला से भागलपुर** (श्री रामशरण जी 9006187963) (श्री उदयजी 9431873219) (श्री विजय धावक 6266687963)- दूरी 60 किमी
14 अक्टूबर 2023	**भागलपुर में विश्राम**
15 अक्टूबर 2023	**भागलपुर से मकनपुर रन्नुचक** (डा. सुजाता चौधरी 7320914411) **से मुंगेर** (श्री रविरंजन जी 6200839275 9631947707)- दूरी 60 किमी

16 अक्टूबर 2023	**मुंगेर से बलिया लखमिनिया** (श्री चंद्रशेखर जी 7644018826) **से बेगुसराय,** (श्री विकास 9470045663)-दूरी 50 किमी
17 अक्टूबर 2023	**बेगुसराय से सिमरिया घाट से सरमेरा** (श्री दीपक कुमार 7631193459), (श्री विनोद पाण्डेय 6299624330), दूरी 50 किमी
18 अक्टूबर 2023	**सरमेरा से बरबीघा से नालंदा** (श्री दीपक कुमार 7631193459)- दूरी 50 किमी
19 अक्टूबर 2023	**नालंदा से राजगीर,** (श्री दीपक कुमार 7631193459) **से हिसुआन वादा** , (श्री एम. पी. सिन्हा 9431227062) दूरी 45 किमी
20 अक्टूबर 2023	**हिसुआन वादा से गया** (श्री सच्चिदानन्द प्रेमी 9430837615)- दूरी 45 किमी
21 अक्टूबर 2023	**गया से पचरुखिया** (श्री अजय श्रीवास्तव 9937911669) - दूरी 50 किमी
22 अक्टूबर 2023	**पचरुखिया से विक्रमगंज** - दूरी 45 किमी
23 अक्टूबर 2023	**विक्रमगंज से जगदीशपुर,** (श्री हिमराज सिंह नयकाटोला 91113370039),-दूरी 47 किमी
24 अक्टूबर 2023	**जगदीशपुर से सकड्डी** -दूरी 45 किमी
25 अक्टूबर 2023	**सकड्डी से बिहटा, पटना** (श्री सुनील सेवक 9905274969), (श्री प्रदीप प्रियदर्शी 9431077343), (श्री नीरज कुमार 9334724789), (श्री केशव पाण्डेय), 9162915276 (श्री प्रेम कुमार 9934085354)- दूरी 40किमी
25 से 27 अक्टूबर 2023	**भाईजी के द्वितीय पुण्य स्मृति के अवसर पर राष्ट्रीय शांति एवं सद्भावना शिविर, स्थान: पाटलिपुत्र खेल परिसर, कंकडबाग,पटना. बिहार**

17. राष्ट्रीय शांति एवं सद्भावना शिविर

डा. एस.एन.सुब्ब राव (भाई जी) के पुण्यतिथि पर राष्ट्रीय युवा योजना द्वारा बिहार की राजधानी पटना में 25 से 29 अक्टूबर, 2023 के दौरान राष्ट्रीय शांति एवं सद्भावना शिविर आयोजित किया गया. शिविर के दौरान श्रमदान, समूह चर्चा, भाषाओं की कक्षा, सम्मलेन, सामूहिक खेलकूद, सर्वधर्म प्रार्थना, सांस्कृतिक कार्यक्रम व भारत की संतान जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से शांति और सद्भावना के साथ-साथ युवा नेतृत्व विकास का कार्य संपन्न हुआ. इस दौरान साइकिल यात्रा दल का भव्य स्वागत के साथ उनके अनुभवों को सुना गया.

शिविर में प्रातः योग-प्राणायाम सत्र

इस शिविर में प्रख्यात गांधीवादी विचारक और एकता परिषद् के संस्थापक श्री राजगोपाल पी. व्ही. मुख्य अतिथि के रूप में देशभर से आये अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ उपस्थित रहे.

शिविर में झारखंड से आये आदिवासी युवक-युवतियां

एन.वाय.पी. के कार्यालय प्रभारी धर्मेन्द्र भाई यात्रा के अनुभवों को शिविर में साझा करते हुए

एन.वाय.पी. जौरा के कार्यालय प्रभारी शीतल जैन यात्रा के अनुभवों को शिविर में साझा करते हुए

शिविर में सम्मलेन के दौरान शांति प्रयासों पर उद्बोधन

डॉ० एन० सुब्बाराव (भाई जी)
केरल
KERALA

शिविर में सायं काल सर्व धर्म प्रार्थना

एकता परिषद् के संस्थापक श्री राजगोपाल पी. व्ही. शिविरार्थियों के साथ

शिविर उद्घाटन सत्र में उपस्थित मंचासीन अतिथिगण का उद्बोधन

विशिष्ट व्यक्तिओं द्वारा शिविर में उद्बोधन

▲ श्री राजगोपाल पी.व्ही. संस्थापक, एकता परिषद्

▼ श्री रन सिंह परमार, सचिव राष्ट्रीय युवा योजना

▲ श्री उदय नारायण चौधरी , पूर्व विधान सभा अध्यक्ष बिहार

▼ श्री सुकुमारन कोषाध्यक्ष राष्ट्रीय युवा योजना

श्री मधुसुदन दास, न्यासी, राष्ट्रीय युवा योजना ▲

▼ शिविर में भोजन लेते शिविरार्थी

▼ शिविर में मंचासीन विशिष्ट और अतिथि गण

एन. वाय.पी बिहार के वरिष्ठ सुनील सेवक जी को सम्मानित किया गया

यात्रा और शिविर के समापन सत्र में सभी यात्रियों को उनकी सायकिलें प्रदान की गयी

▲ शिविरार्थी समूह

भारत की संतान गीत और नृत्य प्रस्तुति के बाद ....

अतिथि का स्वागत करते हुए श्री प्रदीप प्रियदर्शी , प्रगति ग्रामीण विकास समिति, भारत की संतान गीत और नृत्य

भाई जी डॉ. एस.एन.सुब्बाराव
शांति व सदभावना संदेश
सायकल यात्रा
2 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2023 तक

18.राष्ट्रीय युवा योजना

तैत्तरीय उपनिषद का पवित्र सूत्र वाक्य - 'युवा स्वात्. साधुयुवा, अध्यायिकः. आशिष्ठो, द्रढिष्ठो, बलिष्ठः.' का हमारे प्रिय भाई जी (स्वर्गीय एस. एन. सुब्बराव) के जीवन पर गहरा प्रभाव था. इस सूत्र वाक्य का उदाहरण देते हुए भाई जी हमेशा कहते थे कि 'युवा बनो, युवा साधु स्वभाव वाले हों, अध्ययनशील हों, आशावादी हों, दृढ निश्चय वाले हों और बलिष्ठ हों.

70 के दशक में चम्बल घाटी के मुरेना जिले में आयोजित राष्ट्रीय युवा शिविर

चंबल घाटी में शांति निर्माण के लिए रचनात्मक युवा कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय युवा योजना का उदय हुआ. वर्ष 1970 में, मध्य प्रदेश में हिंसा प्रभावित चंबल घाटी के एक छोटे से शहर जौरा में महात्मा गांधी सेवा आश्रम में युवा कार्यकर्ताओं की बैठक हुई. अधिकांश बागियों ने युवावस्था में ही हिंसक जीवन शुरू किया था, इसलिए चंबल क्षेत्र को बैठक के लिए चुना गया ताकि युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों में लगाया जा सके. महात्मा गांधी सेवा आश्रम के प्रांगण में सैकड़ो कुख्यात बागियों ने गांधी जी के चित्र के सामने आत्मसमर्पण किया था. बागियों के आत्मसमर्पण और उनके पुनर्वास के दौरान जौरा के पास बीहड़ो में राष्ट्रीय स्तर के युवा शिविर आयोजित किए गए. इस दौरान सभी को महसूस हुआ कि बुराइयों से मुक्त भारत के निर्माण में करने वाली ताकत देश के युवा ही हैं. एक राष्ट्रीय युवा आंदोलन की आवश्यकता महसूस की गयी जो धार्मिक, भाषाई, क्षेत्रीय और राजनीतिक विचारधाराओं के पूर्वाग्रहों से मुक्त हो.

राष्ट्रीय युवा योजना की स्थापना

अन्य देशों की तरह, भारत में हजारों युवा स्वतंत्रता आन्दोलन में समर्पण और बलिदान के साथ शामिल हुए और देश को विदेशी शासन की पराधीनता से मुक्त कराया. आजादी के बाद, देश को उन बुराइयों जैसे देश का विघटन, व्यापक हिंसा, राजनीति का अपराधीकरण, सार्वजनिक और निजी जीवन में भ्रष्टाचार, आर्थिक और सामाजिक

विषमता, गरीबी, बेरोजगारी, अधिक जनसंख्या का दबाव, अंधविश्वास, अज्ञानता, लिंगभेद, पर्यावरण संबंधी समस्याएं, शराब व नशीली दवाओं की लत इत्यादि को रचनात्मक कार्यो के माध्यम से मुक्त करना चाहिए जो जाने और अनजाने में हमारे देश के सामाजिक ताने-बाने के लिए खतरा हैं. युवाओं में सामूहिकता की भावना के निर्माण में जरूरतमंदों के लिए सामुदायिक कार्य, सर्व-धर्म प्रार्थना, एक-दूसरे की भाषा सीखना और राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति तथा सामूहिक गान जैसी गतिविधियां शामिल है. विभिन्न धर्मो, क्षेत्रों, भाषाओं और राजनीतिक सोच से जुड़े युवाओं का एक परिवार बनाने की प्रक्रिया में अन्य गतिविधियां भी युवाओं को समर्पित होंगी.

राष्ट्रीय युवा योजना एक आंदोलन-(एनवाईपी) वर्ष 1970 में स्वर्गीय एस.एन. सुब्बराव (भाई जी) के निर्देशन में महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा में प्रारंभ हुई. भाई जी ने अपना पूरा जीवन युवा शक्ति को लामबंद करके राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों के लिए समर्पित कर दिया. वर्ष 1992 में संस्थापक ट्रस्टी स्वर्गीय एस.एन. सुब्ब राव, स्व.राममूर्ति और रन सिंह परमार के द्वारा राष्ट्रीय युवा योजना को दिल्ली में न्यास अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत किया गया.

कार्यक्रम

विभिन्न धर्म, जाति, भाषा, क्षेत्र या अन्य स्थिति के बावजूद युवा एक डोर में बंधे रह सकते हैं और एक दूसरे के अनुकूल हो सकते हैं. जिससे विविधता में एकता की भावना जीवंत हो सके. राष्ट्रीय युवा योजना के शिविरों में युवाओं ने स्वयं महसूस किया है कि राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में भाग लेकर उनका जीवन सार्थक हो गया.

राष्ट्रीय एकता, भाई-चारा, सांप्रदायिक सद्भाव, पर्यावरण सुरक्षा, जरूरतमंद समुदाय की राहत के लिए युवा शक्ति की अपार उर्जा व क्षमता को महसूस करते हुए राष्ट्रीय युवा योजना देश और विदेशों में भी युवा शिविरों का आयोजन करती है. शिविरों को विभिन्न विषयों में बांटा जा सकता है-

- राष्ट्रीय एकता शिविर
- सांप्रदायिक सद्भाव शिविर
- साक्षरता शिविर
- दंगा पीडितों के लिए राहत शिविर
- भूकंप और बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत कार्य
- महिला शिविर
- आध्यात्मिक शिविर
- स्वरोजगार कौशल शिविर
- प्रबंधन पाठ्यक्रम शिविर
- दक्षिण पूर्व एशिया मैत्री शिविर
- युवा नेतृत्व विकास शिविर
- सद्भावन रेल यात्रा
- बाल आनंद महोत्सव
- विदेश में युवा संस्कार शिविर

राष्ट्रीय युवा योजना: शिविर दिनचर्या

एक शिविर में औसतन 250 से 500 युवक-युवती होते हैं. कुछ शिविरों में 2,000 से अधिक शिविरार्थी जैसे केवडिया, गुजरात में 23,500 युवाओं ने वर्ष 1988 में पहाड़ों पर पेड़ लगाने के लिए काम किया और वर्ष 1999 में आनंदपुर साहिब के शिविर में 29 राज्यों के 2546 प्रतिभागी, वर्ष 2000 में जून में जयपुर में आयोजित शिविर में 1221 और दिसंबर में सिक्किम में 1035 शिविरार्थी थे. शिविर की दिनचर्या इस प्रकार है-

- प्रातः काल युवा गीत
- चयनित क्षेत्र में सामुदायिक श्रमदान और ध्वजारोहण- 2 से 4 घंटे
- एक दूसरे की भाषा सीखना-सिखाना-1 घंटा
- सामयिक वार्ता और परिचर्चा- 1.30 घंटे
- सामूहिक खेल- 1 घंटा
- प्रतिभा का आदान-प्रदान-45 मिनट
- सर्वधर्म प्रार्थना- 45 मिनट
- सांस्कृतिक कार्यक्रम व भारत की संतान- 1 घंटा
- शिविर के दौरान गांव का दौरा

(शिविर आमतौर पर 5 से 10 दिनों के लिए होते हैं.)

सद्भावना रेल यात्रा

भारत के इतिहास में पहली बार विभिन्न वर्गों के लोगों के बीच सद्भावना व भाईचारा के लिए युवा शक्ति का उपयोग करने में रेल की पटरियों का प्रयोग किया गया था. स्व.एस.एन. सुब्बराव के करिश्माई व प्रेरक नेतृत्व में, राष्ट्रीय युवा योजना ने भारत सरकार के सहयोग से सद्भावना रेल यात्रा के रूप में जाना जाने वाला सद्भावना मिशन शुरू किया. अलग-अलग भाषाएं बोलने वाले, अलग-अलग राजनीतिक विचारों के साथ अलग-अलग धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले और समाज के विभिन्न स्तरों से आने वाले, भारत के 26 राज्यों व विदेशों के 2500 युवक और युवतियों ने पूरे देश के 21 राज्यों का भ्रमण किया. वे सभी

मतभेदों को पार करते हुए एक परिवार के सदस्यों के रूप में स्पेशल ट्रेन में 12 महीने तक साथ रहे. सद्भावना मिशन का पहला चरण 8 महीने -2 अक्टूबर 1993 से 31 मई 1994 तक था, उसके बाद वर्ष 1995 और 1996 में 2-2 महीने का था. उनका मिशन प्रेम, शांति, भाईचारा और सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश फैलाना था. अपने पड़ाव पर सद्भावना यात्री साइकिल से नजदीकी क्षेत्रों में जाकर रैली और सर्वधर्म प्रार्थना के माध्यम से सन्देश देते थे.

सद्भावना रेल यात्रा एक बड़ी सफलता थी, जिसमे 70 लाख से अधिक लोगों को संदेश दिया गया. इस यात्रा का सभी धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक समूहों, जिला प्रशासन, व्यापारिक घरानों, 33 विश्वविद्यालयों सहित शैक्षणिक संस्थानों और बड़ी संख्या में सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों ने स्वागत किया.

अंतरर्राष्ट्रीय शिविर

भौगोलिक बाधाओं को पार करते हुए राष्ट्रीय युवा योजना ने अपने परिवार का विस्तार करते हुए अमेरिका, कनाडा, लंदन, जर्मनी, इज़राइल, श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश और इंडोनेशिया जैसे देशों में भी युवा शिविरों का आयोजन किया है और विश्व शांति के लिए काम कर रहा है.

बाल आनंद महोत्सव

बच्चों में राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भावना के संस्कार के विकास के लिए राष्ट्रीय युवा योजना द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर **बाल आनंद महोत्सव** का आयोजन करता रहा है. विभिन्न राज्यों से 8-12 वर्ष के बच्चों को एक स्थान पर लाया जाता है; उन्हें दिन के समय अलग-अलग भाषा बोलने वाले अन्य बच्चों के साथ घुलने-मिलने के लिए कुछ कार्यक्रम / गतिविधियों में भागीदारी करायी जाती है. शाम को उन्हें स्थानीय बच्चों के साथ उनके घरों में रहने लिए बाहर भेज दिया जाता है. उन्हें सुबह फिर से सभा स्थल पर अन्य बच्चों के साथ खेलने और अन्य गतिविधियों के लिए लाया जाता है. बच्चों के साथ आने वाले शिक्षक सभा स्थल पर ही रहते हैं. इस तरह से बच्चे विभिन्न गतिविधियों और स्थानीय लोगों से सीखते हैं.

नियमित फालोअप कार्यक्रम

राष्ट्रीय युवा योजना के कायक्रमों का आधार सूत्र 'वैश्विक सोच व स्थानीय कार्य' है. इसके सदस्यों के लिए न्यूनतम कार्यक्रम प्रत्येक माह में इस प्रकार है-

- प्रथम शनिवार की शाम - बौद्धिक कार्यक्रम-वार्ता, वाद-विवाद, पुस्तक समीक्षा, संगोष्ठी आदि.
- दूसरे रविवार की सुबह - जरूरतमंदों के लाभ के लिए श्रमदान
- तीसरे शनिवार की शाम - सर्वधर्म प्रार्थना व सांस्कृतिक कार्यक्रम
- चौथा रविवार दोपहर - क्षेत्रीय गतिविधियां-ड्रिल, सामूहिक खेल आदि.

19.दान दाताओं की सूची

Contribution List

Bhai Ji Sandesh Yatra Bihar

National Youth Project

Sr.N.	Date	Name	Mode	Amount	Total
1	08.08.2023	Shri Ramesh Bhai ,Karnatka	Phone Pe	6001.00	
2	08.08.2023	Shri K.Bhargav, Kurnool .AP	Phone Pe	3000.00	
3	10.08.2023	Shri Hemant Sanwal, Delhi	Phone Pe	500.00	
4	10.08.2023	Shri Krishanan, Pune	Cheque	5000.00	
5	10.08.2023	Shri Navin Kotiya,Delhi	Phone Pe	1101.00	
6	10.08.2023	Shri Eknath Bhai, Goa	IMPS	5000.00	
7	10.08.2023	Ms Neha Rani, Rohatak	UPI	1100.00	
8	10.08.2023	Shri Vijay Sharma ,Delhi	UPI	1100.00	
9	10.08.2023	Shri Nitin Gayakwad ,Amarawati	Phone Pe	1001.00	
10	11.08.2023	Shri Harshad Rawal ,Ahemdbad	UPI	1000.00	
11	11.08.2023	Shri Shiva Ji Hullappa, Latur	UPI	1000.00	
12	11.08.2023	Shri Rajesh Nikhara ,Jhansi	UPI	501.00	
13	11.08.2023	Shri Sohanlal Sahu, Chhindwada	UPI	501.00	
14	11.08.2023	Shri Junaid PK ,Karnatka	Phone Pe	1001.00	
15	12.08.2023	Shri Rajesh Bhute, Balaghat	UPI	500.00	
16	12.0b.2023	Shri Akhil Maheshwari, Joura	UPI	5000.00	
17	12.08.2023	Valia Veetil Joshi, Kannur Kerala	Neft	2000.00	
18	12.08.2023	Ms Champa kavathi, Karnatka	UPI	1100.00	
19	13.08.2023	Shri J.S.Chouhan, Vidisha	Phone Pe	1000.00	
20	14.08.2023	Shri Sudhir Panday ,Bhopal	Phone Pe	1001.00	
21	14.08.2023	Shri U C Shrivastav, Ahemadabad	Cash	6000.00	
22	14.08.2023	Mukaram Ahmad ,Benglore	Phone Pe	500.00	
23	14.08.2023	Shri Surendra M B, Benglore	UPI	501.00	
24	16.08.2023	Shri Manav Bhai ,Sonipat	UPI	4000.00	
25	17.08.2023	Shri Pritpal Pannu, Karnal	Phone Pe	11000.00	
26	17.08.2023	Shri Dharmaram Prajapat Rajsthan	UPI	2100.00	
27	19.08.2023	Shri Kishor Kalita, Assam	Phone Pe	501.00	
28	19.08.2023	Shri Suhas Mangesh Naik, Goa	UPI	501.00	
29	19.08.2023	Shri Rama Singh	UPI	500.00	
30	19.08.2023	Mrs. Rama Bahan Ambikapur	UPI	1500.00	
31	19.08.2023	Mrs. Chitra Sukumaran Kerala	Neft	6000.00	
32	20.08.2023	Shri Akshay Joshi	UPI	500.00	
33	21.08.2023	Shri Anup Bhutra Maharashtra	Phone Pe	2000.00	
34	21.08.2023	CH Hemant Rao	UPI	500.00	
35	21.08.2023	Ms Arushi Agrawal (AVANI BHAI)	IMPS	510.00	
36	22.08.2023	Shri Manoj Bhai, Mahoba	UPI	1100.00	
37	23.08.2023	Shri Niren Mali ,Guwahti	UPI	5000.00	
38	24.08.2023	Ms. Manisha rani Arya	UPI	1100.00	
39	25.08.2023	Shri Utkarsh Rai	UPI	6000.00	
40	25.08.2023	Shri Mahender Bhai Bhopal	UPI	500.00	
41	25.08.2023	Shri Ashish Goswami Wardha	UPI	5000.00	
42	26.08.2023	Shri Kawaljit Dhinsa ,Punjab	IMPS	5100.00	
43	28.08.2023	Shri Prakash Baban Jangale	IMPS	10000.00	
44	28.08.2023	Shri Sheetal Jain Joura	UPI	5000.00	**113820.00**

45	28.08.2023	Shri Dharmender Bhai Delhi	UPI	2000.00	
46	28.08.2023	Shri Prafull Kumar Shrivastav Joura	UPI	5000.00	
47	29.08.2023	Shri Amit Kumar, Sheopur	IMPS	5000.00	
48	29.08.2023	Shri Ramkumar Chauhan, Sheopur	UPI	1100.00	
49	29.08.2023	Shri Vikas Pajapati Chhattisgarh	UPI	700.00	
50	29.08.2023	Shri Nitesh Bairagi , Sheopur	UPI	1000.00	
51	30.08.2023	Shri Man (1+1000)	UPI	1001.00	
52	30.08.2023	Shri PRA	Phone Pe	1000.00	
53	30.08.2023	MS Jyoti Rajal Sheopur	UPI	1000.00	
54	30.08.2023	Shri Hari Mohan Jatav	UPI	1000.00	
55	30.08.2023	Shri Kunal Mehata	IMPS	1101.00	
56	04.09.2023	Shri Abdul Shukkoor Kerala	UPI	1000.00	
57	04.09.2023	Shri Manoj Kumar PK	UPI	1000.00	
58	04.09.2023	Shri Shameer Bava Keral	UPI	1000.00	
59	04.09.2023	Shri Padmanabhan Kerala	UPI	1000.00	
60	04.09.2023	Shri Naufal Ch. Kerala	UPI	1000.00	
61	04.09.2023	Shri Shajeer Babu Kerala	UPI	1000.00	
62	04.09.2023	Shri Vinod CPV Kerala	UPI	1000.00	
63	04.09.2023	Shri C.V.Rajgopal Kerala	UPI	1000.00	
64	04.09.2023	Shri K.C.Satheesan Kerala	UPI	1000.00	
65	04.09.2023	Shri Vijaya Krishnan Kerala	UPI	1000.00	
66	04.09.2023	Shri Sukumaran Karayil	UPI	1000.00	
67	05.09.2023	P Pornambalam Chennai	UPI	1000.00	
68	05.09.2023	Shi MathPati Udgir Maharashtra	Phone Pe	1001.00	
69	05.09.2023	Shri Ganesh Dhote MP	UPI	500.00	
70	05.09.2023	Shri Ramesh Rohidas Nekte	IMPS	1111.00	
71	05.09.2023	Shri Deepak Agrawal MGSA	Neft	5000.00	
72	06.09.2023	Shri Prasanna Barik MGSA	UPI	5000.00	
73	07.09.2023	Shri Ravi Mohanti Orissa	UPI	2000.00	
74	09.09.2023	Shri Subir Kumar Kar WB	UPI	1001.00	
75	11.09.2023	Shri Dushyant Pal Sharma	UPI	5000.00	
76	12.09.2023	Shri Jitendra kumar	UPI	1001.00	
77	12.09.2023	Shri Krishna Jois Benglore	UPI	5000.00	
78	12.09.2023	Ms Mala Bahan Benglore	UPI	5000.00	
79	12.09.2023	Shri Umesh Bhai Benglore	UPI	5000.00	
80	13.09.2023	Shri Sudesh Kumar	UPI	1000.00	
81	13.09.2023	Shri Bharat Kamaliya Gujarat	UPI	1111.00	
82	14.09.2023	Shri Ajay Panday Ji UP	UPI	5000.00	
83	14.09.2023	Shri Suraj Sehariya, Ekta Parishad	UPI	5000.00	
84	14.09.2023	Prof. M C Vasantha Chennai	Neft	20000.00	
85	14.09.2023	Shri Kailash Mittal Ji Joura	UPI	5000.00	
86	15.09.2023	Ms.Savita Ramchandran Benglore	UPI	15000.00	
87	15.09.2023	Shri Manish Rajput , Ekta Parishad	UPI	5000.00	
88	15.09.2023	Smt. Bharati Jhade , Maharashtra	Neft	2000.00	
89	16.09.2023	Shri Chandrashekhar Bengluru	UPI	1000.00	
90	16.09.2023	Shri Ram Prasad Jakhad , Jodhpur	UPI	5100.00	
91	16.09.2023	Ms. Deepamani Assam	IMPS	1000.00	
92	17.09.2023	Shri Yogesh Shrivastav	UPI	2000.00	
93	18.09.2023	Shri Veeru Varma Jhansi	UPI	2000.00	**252547.00**

94	18.09.2023	Shri Shakil Ahemad Bikaner	UPI	4000.00	
95	18.09.2023	MS. Anima, Shri Manoj Sharma	UPI	2000.00	
96	18.09.2023	MS. Kanika Hajarika	UPI	1000.00	
97	18.09.2023	Shri Manoj Kumar	UPI	1000.00	
98	18.09.2023	Shri Hardev Ram Guru	UPI	1100.00	
99	18.09.2023	Shri Sunil Bhai Rohatak	UPI	500.00	
100	18.09.2023	Shri Deepak Bhai Shahadra	IMPS	1100.00	
101	19.09.2023	Shri Santosh Khamari Belpahad	UPI	1318.00	
102	19.09.2023	Shri Deepak MalviY Kanpur	UPI	5000.00	
103	19.09.2023	Shri Jitendra Sharma	UPI	9400.00	
104	19.09.2023	Shri Malay Bhai Orissa	UPI	4004.00	
105	20.09.2023	MS. Swarnlata Jena Puri	UPI	500.00	
106	20.09.2023	Shri Yogesh Shrivastav	UPI	2500.00	
107	22.09.2023	Shri Goutam Das Agartala,Tripura	UPI	5000.00	
108	22.09.2023	Shri Somnath Rode	UPI	2000.00	
109	22.09.2023	Shri Madhaw Vishwnath	UPI	2000.00	
110	22.09.2023	Shri Hanumant Desai Pune	UPI	500.00	
111	22.09.2023	Shri Anjan Das Agartala	UPI	2000.00	
112	22.09.2023	Shri Harinarayan Lal Gorakhpur	NEFT	3000.00	
113	22.09.2023	Shri Sanjay Pradhan Orissa	UPI	1000.00	
114	22.09.2023	Shri Amit Gyan Ji Jaipur	UPI	5100.00	
115	23.09.2023	Shri Gopal Sharan Ji Jaipur	UPI	2000.00	
116	23.09.2023	Ms Nayatara ,Dhemaji , Assam	UPI	500.00	
117	23.09.2023	Shri Rabindra Saxena MGSA Gwalior	UPI	1000.00	
118	24.09.2023	Shri Jai Singh Jadon MGSA Sheopur	UPI	500.00	
119	25.09.2023	Shri Kuldeep Tiwari MGSA Gwalior	UPI	1000.00	
120	25.09.2023	Shri Kailash Parashar Ji MGSA Sheopur	UPI	500.00	
121	25.09.2023	Shri Radhabalabh ji Sheopur	UPI	500.00	
122	25.09.2023	Advocte Dinesh Singh Sikarwar , Joura	UPI	500.00	
123	25.09.2023	Ms Kriti chauhan MGSA Sheopur	UPI	500.00	
124	26.09.2023	Shri Rajesh Kumar Dey	UPI	500.00	
125	26.09.2023	Ms Priti Tiwari, Bhopal	UPI	1000.00	
126	26.09.2023	Shri L.N.Tyagi, Joura	UPI	501.00	
127	26.09.2023	Shr Amit Kumar MGSA Sheopur	UPI	1000.00	
128	27.09.2023	Shri Aditya Chauhan MGSA Sheopur	UPI	500.00	
129	27.09.2023	Shri Manoj singh Sikarwar Gurja , Joura	UPI	5000.00	
130	27.09.2023	Shri Ramdutt singh Tomar MGSA Sheopur	UPI	500.00	
131	27.09.2023	Shri Jagat Bhai, Shimla HP	UPI	1100.00	
132	27.09.2023	Shri Bhoop Singh Rajak ,Morena	UPI	500.00	
133	28.09.2023	Ms Umang shridhar Bhopal	UPI	5000.00	
134	28,09.2023	Shri Jaison Bhai Kerala	UPI	1000.00	
135	28.09.2023	Shri Parvej Khan Morena	UPI	5000.00	
136	28.09.2023	Ms Arundhati debi Orissa	UPI	1000.00	
137	28.09.2023	Shri Guthi Jambunath ji	UPI	500.00	
138	28.09.2023	Smt Durga Panwar Ekta Parishad Jhabua	UPI	500.00	
139	28.09.2023	Shri Ramlal Pal Ekta Parishad Jhabua	UPI	500.00	
140	28.09.2023	Shri Deepak Kumar Ekta Parishad Jhabua	UPI	500.00	
141	28.09.2023	Shri Mangu Meda Ekta parishad Jhabua	UPI	500.00	
142	28.09.2023	Shri Sunil Parmar Ekta Parishad Jhabua	UPI	500.00	**339170.00**

143	28.09.2023	MAM	UPI	1000.00	
144	28.09.2023	Shri Jayanna K Bengalore	UPI	501.00	
145	29.09.2023	Ms Anjali Thakur MGSA Gwalior	UPI	500.00	
146	29.09.2023	Shri Sahab Singh Ekta Parishad Morena	UPI	500.00	
147	30.09.2023	Shri Ramu Bhuria Dhar	UPI	500.00	
148	30.09.2023	Shri Bhilu Khiradi Dhar	UPI	500.00	
149	30.09.2023	Shri Kamal Bhavar Dhar	UPI	500.00	
150	30.09.2023	Shri Vijay Bhuria Dhar	UPI	500.00	
151	30.09.2023	Shri Sanju Baghel Dhar	UPI	500.00	
152	30.09.2023	Shri Vasim Khan	UPI	500.00	
153	30.09.2023	Ashri Dimbeshwar Nath Assam	UPI	500.00	
154	30.09.2023	Smt Beena Jain , Jaipur	UPI	2100.00	
155	30.09.2023	Shri Jaharvir infinit pvt ltd	UPI	501.00	
156	30.09.2023	Shri Dimbeshwar Nath Ekta Parishad Assam	UPI	500.00	
157	30.09.2023	Shri Udaybhan Singh Parihar Ekta Parishad Mo	UPI	500.00	
158	02.10.2023	Smt Snehlata Mohanty Ekta Parishad Odissa	UPI	500.00	
159	02.10.2023	Shri Ajay Sabar Ekta Parishad Odissa	UPI	500.00	
160	02.10.2023	Shri Bhaskar Pradhan Ekta Parishad Odissa	UPI	500.00	
161	02.10.2023	Smt Kiran Bala Jena Ekta Parishad Odissa	UPI	500.00	
162	02.10.2023	Smt Ansuya Mahapatra Ekta Parishad Odissa	UPI	500.00	
163	02.10.2023	Shri Sagar deep MGSA Gwalior	UPI	500.00	
164	02.10.2023	bab	UPI	1500.00	
165	02.10.2023	Shri Manoj Kumar Ekta Parishad Sagar MP	UPI	500.00	
166	02.10.2023	Shri Ravi Shankar Ekta Parishad Sagar MP	UPI	500.00	
167	02.10.2023	Smt Tulsa Kushwaha Ekta Paroshad Sagar MP	UPI	500.00	
168	02.10.2023	Shri Jaikumar Sour Ekta Parishad Sagar MP	UPI	500.00	
169	02.10.2023	Shri Pradeep Chdhar Ekta Parishad Sagar MP	UPI	500.00	
170	02.10.2023	Shri Pramod Gaud Ekta Parishad Sagar MP	UPI	500.00	
171	02.10.2023	Shri Mangal Kumar sour. Ekta Parishad Sagar M	UPI	500.00	
172	02.10.2023	Smt Chandra Kumari Sour Ekta Parishad Sagar	UPI	500.00	
173	03.10.2023	Shri Dongar Shrama Gwalior Ekta Parishad MP	UPI	1000.00	
174	03.10.2023	Shri Bhavendra Sharan Ji GPF Jodhpur	UPI	5000.00	
175	03.10.2023	Shri Amit Kumar Sahu	UPI	500.00	
176	03..10.2023	Sib	UPI	1500.00	
177	03.10.2023	Mew	UPI	2000.00	
178	03.10.2023	Shri Sarala and Narayan N Panicker Kerala	IMPS	5000.00	
179	04.10.2023	Shri Tikaram Ekta Parishad Raisen MP	UPI	500.00	
180	04.10.2023	Shri Vimlesh Ekta Parishad Raisen MP	UPI	500.00	
181	04.10.2023	Smt Kavita Ekta Parishad Raisen MP	UPI	500.00	
182	04.10.2023	Smt Babli Ekta Parishad MP	UPI	500.00	
183	04.10.2023	Shri Anil Utsahi Ekta Parishad Shivpuri MP	UPI	500.00	
184	04.10.2023	Shri Girraj Sahu Ekta Parishad Shivpuri M.P	UPI	500.00	
185	04.10.2023	Shri Maina Adiwasi Ekta Parishad Shivpuri MP	UPI	500.00	
186	06.10.2023	Smt Nilam Arora Delhi	UPI	500.00	
187	06.10.2023	akh	UPI	500.00	
188	06.10.2023	JAG	UPI	500.00	
189	06.10.2023	Shri Ujjal Chetia	UPI	500.00	
190	06.10.2023	Shri Himanshu Shivhare MGSA Gwalior	UPI	501.00	
191	06.10.2023	Shri Dilip Kumar Jain MGSA Gwalior	UPI	1000.00	
192	06.10.2023	Shri Suraj Singh Sikarwar MGSA Gwalior	UPI	500.00	**379773.00**

193	07.10.2023	Shri Sunil Adhana Ji Faridabad Hariyana	UPI	5000.00	
194	07.10.2023	Shri Surendra Lal Arya Kotdwar UK	UPI	1501.00	
195	07.10.2023	Shri Devilal Adiwasi Ekta Parishad Shivpuri MP	UPI	500.00	
196	07.10.2023	Smt Sandhya Adiwasi Ekta Parishad Shivpuri M	UPI	500.00	
197	07.10.2023	Shri Ajay Adiwasi Ekta Parishad Shivpuri MP	UPI	500.00	
198	07.10.2023	Smt Jyoti Adiwasi Ekta Parishad Shivpuri MP	UPI	500.00	
199	07.10.2023	Shri Rajkumar Adiwasi Ekta Parishad Shivpuri M	UPI	500.00	
200	07.10.2023	Shri Jitendra Panday Ekta Parishad Shivpuri MF	UPI	500.00	
201	07.10.2023	Shri Bharat Saryam Etka parishad Betul MP	UPI	500.00	
202	07.10.2023	Smt Prema Saryam Ekta Parishad Betul MP	UPI	500.00	
203	07.10.2023	Shri Mangal Murti Ekta Parishad Betul	UPI	1000.00	
204	09.10.2023	Ms Pooja Sharma MGSA Gwalior	UPI	500.00	
205	10.10.2023	Shri BABA JI BY Dharmendra Bhai	UPI	500.00	
206	10.10.2023	Shri Chaman Seth Joura	UPI	1100.00	**393374.00**

Contribution List (Direct sent to Cycle Store)

Bhai Ji Sandesh Yatra Bihar

Nav Durga Cycle Store

Sr.N.	Date	Name	Mode	Amount	Totol
1	11.09.2023	Khadi Gramodyog Bhandar , Morena	UPI	9400.00	
2	12.09.2023	Shri Dhan Singh Lamkoti ji Delhi	UPI	5000.00	
3	13.09.2023	Shri Shailendra Parashar , Sheopur MP	UPI	4700.00	
4	13.09.2023	Shri Sudhakar Sharma Sheopur MP	UPI	4700.00	
5	16.09.2023	Shri Prachand Bhai Orissa	UPI	4700.00	
6	16.09.2023	Shri Anil Gupta Kushinagar UP	UPI	10000.00	
7	19.09.2023	Shri Nagwani Ji Katani	NEFT	4700.00	
8	19.09.2023	Shri Baphana Ji Jaipur	UPI	11000.00	
9	19.09.2023	Shri Yatish Bhai Mumbai	NEFT	9400.00	
10	19.09.2023	Shri Sreedharan Tamilnadu	NEFT	5003.00	
11	22.09.2023	Shri Manav Jeevan Vikas Samiti Katani	NEFT	4700.00	
12	22.09.2023	Shri MGSA Sheopur	CD	18800.00	
13	23.09.2023	Shri Anil Hebbar , Mumbai	UPI	4700.00	
14	24.09.2023	Shri Pradeep Balmiki, MP	UPI	4700.00	
15	24.09.2023	Shri Sudhir Goyal Ji Ujjain MP	UPI	9400.00	
16	25.09.2023	Ms. Mukti Bahan Shikarpur, Assam	UPI	4700.00	
16	27.09.2023	Prayog Ashram, Tilda , Chattishgarh	NEFT	9400.00	
17	28.09.2023	Ms. Shabnam Bahan MGSA Sheopur	UPI	9400.00	
18	28.09.2023	Ms. Aditi Bahan Siwan Bihar	UPI	4700.00	
19	28.09.2023	Shri Dilip Bhaiya Patna Bihar	UPI	4700.00	**143803.00**

मु स्कराते हुए पल

भाई जी का संदेश

एक बनो नेक बनो

भाई जी शांति सद्भावना साईकिल संदेश यात्रा का स्वागत करने को नालंदा तैयार

बिहारशरीफ नई सोच एक्सप्रेस। प्रख्यात विचारक व युवाओं के दिलो में देश प्रेम, भाईचारा, शांति के सन्देश के वाहक डॉ एस0 एन0 सुब्बाराव जिसे युवा भाई जी के नाम से जानते है कि दूसरी पुण्यतिथि पर, बिहार राज्य के 25 जिलों के यात्रा पर निकले देश के कई राज्यो से आये साईकिल यात्रियो के शानदार स्वागत हेतु जिले के कई संगठनों ने तैयारी पूरी कर ली है। यात्रा संचालन समिति के राज्य सदस्य कुमुद रंजन सिंह व रोहित कुमार ने बताया कि नालंदा जिले में 17 तारीख को साईकिल यात्रियों का दल सरमेरा के रास्ते प्रवेश करेगा, एवं रात्रि विश्राम बरबीघा में किया जाएगा। 18 अक्टूबर को ज्ञान की भूमि नालन्दा प्रवेश करने पर यात्रा में शामिल शांतिदूतों का स्वागत रोहित कुमार व कुमुद रंजन सिंह के नेतृत्व में बुन पब्लिक स्कूल बिजयनगरम, अम्बा बिगहा मोड़ द्वारा फूल माला व स्वागत गीत द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर बच्चों द्वारा अतिथि देवो भवः परंपरा के तहत पधारे यात्रियों का आरती व तिलक लगाकर स्वागत किया जाएगा। वहां से आगे बढ़ने पर यात्रा का जोरदार स्वागत अस्थावां, व बिहारशरीफ में किया जाएगा। पूरी यात्रा में भाई जी का प्यारा गीत नौजवान आओ रे, हमारा प्यारा हिन्दुस्तान, जय जगत पुकारे जा पर साइकिल यात्री भाई जी के संदेशों को फैलाते चलेंगे। बीच बीच मे पढ़ने वाले स्कूलों व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भाई जी के विचारों का प्रचार प्रसार किया जाएगा। इस दिन सर्वधर्म प्रार्थना व सांस्कृतिक कार्यक्रम नगर पंचायत नालन्दा के सार्वजनिक स्थल पर ...

भाई जी शांति सद्भावना साईकिल संदेश यात्रा का स्...

कई स्वयंसेवी संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास से पटना में पां...

नवबिहार टाइम्स | औरंगाबाद-दाउदनगर | औरंगाबाद, शुक्रवार, 13 अक्टूबर 2023 | 9

21 को पचरूखिया में पहुंचेगी साइकिल यात्रा

2 अक्टूबर को चंपारण के भितिहरवा से निकले हैं साइकिल यात्रा में शामिल लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नालंदा में भाई जी शांति सद्भावना साईकिल संदेश यात्रा का भव्य स्वागत

संवाददाता

बिहारशरीफ : नालंदा में भाई जी शांति सद्भावना साईकिल संदेश यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। यात्रा 17 अक्टूबर को सरमेरा के रास्ते नालंदा में प्रवेश करेगी और रात्रि विश्राम बरबीघा में करेगी। 18 अक्टूबर को यात्रा नालंदा में प्रवेश करेगी और बुन पब्लिक स्कूल बिजयनगरम, अम्बा बिगहा मोड़ पर स्वागत किया जाएगा। इस अवसर पर बच्चों द्वारा अतिथि देवो भवः परंपरा के तहत पधारे यात्रियों का आरती व तिलक लगाकर स्वागत किया जाएगा। यात्रा का स्वागत नालंदा के विभिन्न संगठनों द्वारा किया जाएगा। इनमें मगध समाज कल्याण प्रतिष्ठान, रघुनन्दन सेवा सदन सोहसराय, स्नातक अधिकार मंच, मुक्ति युवा सेवा संस्थान, बुन पब्लिक स्कूल शामिल हैं। यात्रा में 15 अलग-अलग राज्यों से 30 से अधिक यात्री शामिल हैं। इनमें पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी शामिल हैं। यात्रा का उद्देश्य भाई जी के विचारों और शांति का संदेश फैलाना है। यात्रा 27 अक्टूबर को पटना में समाप्त होगी। पटना में राष्ट्रीय युवा योजना नई दिल्ली के निर्देशन में शांति सद्भावना कैम्प आयोजित किया जाएगा। इस कैम्प में देश के सभी राज्यों से तकरीबन 300 प्रतिभागियों के भाग लेने की संभावना है। कैम्प में भाई जी के विचारों पर चर्चा की जाएगी और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए योजनाएं बनाई जाएंगी।

हसपुरा में होगा साइकिल यात्रा का स्...

सहरसा: गांधी विचार के प्रचार को लेकर भाई जी यात्रा के आगमन पर लोगों ने किया भव्य स्वागत

साईकिल रखें फ्रेस देह, देश, परिवेश

Dr. S. N. Subba Rao (Bha

THE NEWS TIMES

भाई जी शांति सद्भावना साईकिल संदेश यात्रा का स्वागत करने को नालंदा तैयार

बिहार में साईकिल यात्री बने खबरों में सुर्खियां

लेखक और संपादक : अनिल कुमार गुप्ता

(भाई जी डा. एस. एन. सुब्बराव जी के विचारों से प्रेरित होकर अनिल कुमार गुप्ता पिछले तीन दशक से एकता परिषद् से जुड़कर आदिवासी और गरीबों के सशक्तिकरण के लिए सामाजिक कार्य कर रहे हैं.)

राष्ट्रीय युवा योजना

पंजीकृत कार्यालय: राष्ट्रीय युवा योजना, 221 दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110002

वर्तमान कार्यालय: फ्लैट न. डी-5, तीसरी मजिल, केशवकुंज, आदर्श एन्क्लेव (केनरा बैंक के पीछे) दिल्ली – 110084,

मुख्यालय: राष्ट्रीय युवा योजना, (महात्मा गांधी सेवा आश्रम) जौरा पिनकोड 476221

मोबाइल- 993592425 **ई-मेल-** nypinida@gmail.com **वेबसाईट-** www.nyp.india.org

V.I.P.
हिं नही
कभी नही
सा कही वही
राष्ट्रीय युवा योजना
नई दिल्ली